RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-12 अंक:210 ता. 05 फरवरी 2024, सोमवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

मौत की फर्जी खबर पर पूनम पांडे के खिलाफ दर्ज हुई शिकायत

मुंबई। मॉडल एवं एक्ट्रेस पूनम पांडे से सिनेमा जगत के कई सितारे नाराज हैं, क्योंकि उन्होंने अपने निधन की फर्जी खबर फैलाई है। एक्ट्रेस के इस पब्लिसिटी स्टंट से नाराज होकर एडवोकेट अली काशिफ खान देशमुख ने एक्ट्रेस पूनम पांडे के खिलाफ पुलिस में कम्प्लेंट दर्ज कराई है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्ट्रेस की मैनेजर निकिता शर्मा और एजेंसी के खिलाफ आईपीसी सेक्शन 417, 420, 120बी, 34 के तहत एफआईआर करने की मांग की है। सभी पर पब्लिक को चीट करने और देश के साथ सर्वाइकल कैंसर के नाम पर धोखाधड़ी करने का मामला बनाने के लिए कहा है। पूनम के इस स्टंट को पब्लिसिटी और चीट करार करने की मांग उठाई है। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स असोसिएशन ने पूनम पांडे के खिलाफ एफआईआर करने की बात कही थी। ऑफीशियल्स का कहना था कि पूनम पांडे ने जो मौत का फेक पीआर स्टंट किया है वो बहुत गलत है। सर्वाइकल कैंसर के लिए जागरूकता पैदा करने की आड़ में उन्होंने जो सेल्फ प्रमोशन किया है वो स्वीकार्य नहीं है। इस तरह की न्यूज के बाद इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के लोग मौत की खबर पर यकीन करने में संकोच करेंगे। पीआर के लिए कोई भी इंडस्ट्री का व्यक्ति इस हद तक नहीं गिरेगा। पूनम पांडे की मैनेजर ने भी एक्ट्रेस की मौत की खबर को झूठा बताया है। बता दें अभिनेत्री-मॉडल पूनम पांडे की सर्वाइकल कैंसर से मौत का दावा और कुछ वक्त बाद सोशल मीडिया पर उनके फिर से पदार्पण के कारण इंटरनेट हो या बॉलीवुड हस्तियां सभी गुस्से में हैं। सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों से लेकर फिल्म जगत की कई हस्तियों ने इसे भद्दा, शर्मनाक और प्रचार का निचला स्तर करार दिया है। पांडे की टीम ने शुक्रवार को बीमारी से उनकी मौत की खबर सोशल मीडिया पर जारी की थी लेकिन बाद में यह खबर झूठी और अभिनेत्री द्वारा अपनाया एक हथकंडा निकली।

भारतीय नौसेना की तैनाती को लेकर मोदी सरकार का बड़ा प्लान

नई दिल्ली। मालवाहक जहाजों पर होने वाले हमले रोकने और समुद्री लुटेरों पर लगाम को लेकर केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया हैं। रक्षा मंत्रालय ने जिबूती से लेकर अदन की खाड़ी और सोमालिया तक भारतीय नौसेना की तैनाती का प्लान बनाया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर निर्णय हुआ। इसमें मालवाहक जहाजों के संरक्षण के लिए भारतीय नौसेना की यूनिट्स को जिबूती, अदन की खाड़ी, सोमालिया के पूर्वी तट के साथ ही उत्तर और मध्य अरब सागर में भी तैनात किया जा रहा है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि नौसेना ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के पूर्वी तटीय क्षेत्र में जलदस्यु रोधी गश्ती के लिए 2008 से अपनी यूनिट्स को तैनात किया था। कुल 3,440 जहाजों और 25 हजार से अधिक नाविकों को सुरक्षा प्रदान की गई। लाल सागर में नवंबर महीने से ईरान समर्थित हूती उग्रवादियों ने अनेक मालवाहक जहाजों पर हमले किए थे। इसको लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ रही हैं। रक्षा राज्य मंत्री ने प्रश्न के उत्तर में कहा कि नौसेना हमलों में शामिल सूत्रों और भागीदारों की पहचान करने के लिए सहयोगी देशों के साथ सूचना साझा कर रही है। भारतीय नौसेना ने पिछले कुछ सप्ताह के दौरान अरब सागर में अनेक मालवाहक पोतों पर हमलों के बाद उन्हें सहायता प्रदान की है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही। इसमें क्षेत्रीय और इलाके से अलग नौसेनाओं और समुद्री जवानों के साथ सक्रियता से काम कर रही है।

रामलला के दर्शन करने फिजी के उपप्रधानमंत्री बिमान प्रसाद अयोध्या जाएंगे

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राममंदिर बनने से पूरी दुनिया में उत्साह है। यही वजह है कि दुनियाभर के लोग श्रीराम के दर्शन करना चाहते हैं। ऐसी ही इच्छा फिजी के उपप्रधानमंत्री बिमान प्रसाद की है। वे एक हफ्ते की भारत यात्रा पर आ रहे हैं। उन्होंने सबसे पहला निर्णय लिया है कि अयोध्या जाएंगे और रामलला के दर्शन करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार फिजी के उप प्रधानमंत्री की यात्रा चार से दस फरवरी तक चलेगी और 11 फरवरी को वह अपने देश लौट जाएंगे।फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद एक हफ्ते की भारत यात्रा पर आ रहे हैं। वह अयोध्या में रामलला के दर्शन करेंगे। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, फिजी के उप प्रधान मंत्री रविवार को दिल्ली पहुंचेंगे। उनकी यात्रा चार से दस फरवरी तक चलेगी और 11 फरवरी को वह अपने देश लौट जाएंगे।बिमान प्रसाद पहले विदेशी नेता हैं जो 22 जनवरी को हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अयोध्या का दौरा करेंगे और रामलला का दर्शन करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आने के बाद एक दिन बाद सोमवार को उनके आधिकारिक कार्यक्रम शुरू होंगे। पांच फरवरी को वह विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक के साथ-साथ विदेश और शिक्षा राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह से मुलाकात करेंगे। इसके बाद बिमान प्रसाद छह फरवरी को राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे और सात फरवरी को एक अन्य कार्यक्रम के लिए गोवा जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा है, आठ फरवरी को उनका अयोध्या जाने का कार्यक्रम है। नौ फरवरी को प्रसाद अहमदाबाद का दौरान करेंगे और उसके बाद गांधीनगर का दौरा करेंगे।

50 साल बाद कावेरी वन्यजीव अभयारण्य में दिखे बाघ

चेन्नई। तमिलनाडु में कृष्णागिरी जिले के कावेरी नॉर्थ वन्यजीव अभयारण्य में 50 साल बाद बाघों को देखा गया है। यहां ज्वालागिरी रेंज के आरक्षित वनों में इतने अंतराल के बाद दो बाघ देखे गये हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बाघों को वन विभाग द्वारा लगाये गये कैमरा ट्रैप में रिकॉर्ड किया गया था। इस मामले में मुख्य वन्यजीव वार्डन श्रीनिवास आर. रेड्डी ने कहा कि होसूर की वन्यजीव वार्डन सुश्री के. कार्तिकेयनी ने बताया है कि दो बाघों की प्रत्यक्ष रिकॉर्डिंग है, जिनमें से एक नर बाघ 4-5 वर्ष के आयु वर्ग में और दूसरा बाघ 8-9 वर्ष के आयु वर्ग में है। इन दोनों बाघों की तस्वीरें जनवरी 2024 के महीने में ज्वालागिरी रेंज में रिजर्व वन क्षेत्रों के अंदर लगाये गये कैमरा ट्रैप के माध्यम से रिकॉर्ड की गयीं। ज्वालागिरी रेंज हाल ही में अधिसूचित कावेरी साउथ वन्यजीव अभयारण्य के निकट है जो संरक्षित क्षेत्र का एक हिस्सा है। बाघों की उपस्थिति संरक्षण प्रयासों की सफलता को दर्शाती है। उन्होंने कहा ?कि इससे यह भी पता चलता है कि भनेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान और आस-पास के संरक्षित क्षेत्रों से बाघों की आबादी के बीच यह आवास व्यवहार्य है।

बलात्कारी पुजारी और शिष्य को 20-20 वर्ष का कारावास

प्रतापगढ़,। प्रतापगढ़ जिले की एक विशेष अदालत ने नाबालिग किशोरी से सामूहिक बलात्कार के दोषी पुजारी और उसके शिष?य को 20-20 वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। दोषियों पर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता प्रदीप कुमार पांडेय ने इस संबंध में आज रविवार को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपर जिला सत्र न्यायाधीश आलोक द्विवेदी की अदालत ने शनिवार को सामूहिक बलात्कार मामले की सुनवाई करते हुए दोषी श ?याम पुजारी व उसके शिष्य दौलत को 20-20 वर्ष कारावास की सजा समेत 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। घटना के संबंध में उन्होंने बताया कि जिले के अंतू थाना पुलिस से की गई शिकायत में वादी ने आरोप लगाया था कि 8 अप्रैल 2016 की शाम साढ़े सात बजे उसकी 15 वर्षीय बेटी हैंडपंप पर पानी भरने के लिए गई थी। इसी दौरान गांव के ही श्याम पुजारी और उसके शिष्य दौलत ने उसे धोखे से बुलाकर बाथरूम में सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के विरुद्ध पॉक?सो अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच की और अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए साक्ष्य के आधार पर दोषी श्याम पुजारी व दौलत को 20-20 वर्ष कारावास की सजा सुनाई और 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर कर दिए गये। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मुठभेड़ ओरछा थानाक्षेत्र के अंतर्गत गोमागल गांव के पास जंगल में हुई, जहां सुरक्षाकर्मियों की एक टीम शुक्रवार शाम को नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि माओवादियों की नेलनार क्षेत्र समिति के सचिव अरब उर्फ कमलेश, स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) के कमांडर सोमडू और क्षेत्र में अन्य माओवादियों की मौजूदगी के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि गोलीबारी के बाद मौके से दो नक्सलियों के शव, एक प्वाइंट 12 बोर की बंदूक बरामद की गई है। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि मृत नक्सलियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है और आस-पास के इलाकों में तलाशी जारी है।

ममता को मुस्लिम वोट बैंक हड़पने का डर, इसलिए इंडिया गठबंधन से किया किनारा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को कांग्रेस द्वारा मुस्लिम वोट बैंक हड़पने का डर सता रहा है, यही वजह है कि वह इंडिया गठबंधन से किनारा कर रही हैं। गौरतलब है कि इस समय आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत एनडीए को टक्कर देने के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन इंडिया में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान चल रही है। खासतौर से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सख्त तेवरों को देखते हुए इंडिया गठबंधन की एकता पर ही सवाल उठने लगे हैं। बंगाल में सीट-बंटवारे पर गतिरोध के बाद कांग्रेस टीएमसी के साथ सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद ममता बनर्जी कांग्रेस को सीट देने को तैयार नहीं हैं। गौरतलब है कि ममता बनर्जी पहले ही अपनी पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने के इरादे की घोषणा कर चुकी हैं। कांग्रेस पर लगातार दीदी के हमले बंगाल में टीएमसी के चुनावी समीकरणों की ओर इशारा कर रहे हैं।

बता दें कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन कोलकाता के मुस्लिम बहुल पार्क सर्कस इलाके में ममता ने सर्ब धर्म रैली निकाली थी और कांग्रेस पर कटाक्ष किया। दरअसल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी राज्य में अपने महत्वपूर्ण मुस्लिम वोट बैंक पर पकड़ बनाए रखने के लिए सभी प्रयास कर रही हैं। वे इसके लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन को दाव पर लगाने के लिए भी तैयार दिख रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र से राज्य के बकाया भुगतान की मांग को लेकर कोलकाता में एक धरने के दौरान ममता बनर्जी ने दोहराया कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की इच्छुक थी, लेकिन उसने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। ममता ने तीखा हमला करते हुए कांग्रेस को हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा से मुकाबला करने की चुनौती दी।

हालांकि 2011 से बंगाल की सत्ता पर काबिज ममता दीदी की पार्टी की अल्पसंख्यक वोटों पर मजबूत पकड़ है। ममता को डर है कि कांग्रेस इसमें सेंध लगाने की कोशिश कर रही है। ममता ने 22 जनवरी की रैली में खुलेतौर पर मुस्लिम मतदाताओं से कहा था कि टीएमसी के अलावा किसी अन्य पार्टी का समर्थन करके अपना वोट बर्बाद न करें। सूत्रों के अनुसार, उत्तरी बंगाल के छह जिलों, विशेष रूप से उत्तर दिनाजपुर, मालदा और मुर्शिदाबाद, जो महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक आबादी और पारंपरिक रूप से कांग्रेस के समर्थन के लिए जाने जाते हैं। इन जिलों से कांग्रेस की यात्रा ने बनर्जी के रुख को जन्म दिया होगा। ममता ने यूपी, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा को हराने की चुनौती भी दे दी।

रोजगार नहीं, बेरोजगारी की गारंटी हैं मोदी : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है ?कि पीएम मोदी रोजगार नहीं, बेरोजगारी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव आते ही गारंटी की बात करने लगते हैं लेकिन सच यह है कि मोदी रोजगार नहीं, बेरोजगारी की गारंटी हैं। रविवार को श्रीमती वाड्रा ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार देश में करीब 30 लाख सरकारी पद खाली हैं। जबकि हमारे देश के करोड़ों युवा नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं लेकिन पिछले 10 साल में भाजपा सरकार ने इन पदों को भरने के लिए दिखावे के सिवा कुछ नहीं किया है। प्रियंका ने कहा कि जुलाई 2022 में सरकार ने संसद को जानकारी दी थी कि आठ साल में 22 करोड़ युवाओं ने नौकरी के लिए आवेदन किया लेकिन नौकरी केवल सात लाख युवाओं को ही मिली। यानी लगभग 21.93 करोड़ योग्य युवा बेरोजगार ही रह गए। सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा करने वाली भाजपा सरकार न पहले से मौजूद नौकरियां दे पाई, न ही नये रोजगार बना सकी। प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री चुनावों में गारंटी तो देते हैं। असल में उनकी गारंटी बेरोजगारी की ही गारंटी मात्र है।

मोदी के नेतृत्व में भारत को समृद्ध राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर हैं हम : भजनलाल

-वर्ल्ड ट्रेड पार्क द्वारा आयोजित 15वीं जयपुर मैराथन को झंडी दिखाकर किया रवाना

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि हम पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत को समृद्ध राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत को फिट एवं स्वस्थ राष्ट्र बनाने की सोच के साथ कार्य किया जा रहा है। श्री शर्मा ने रविवार को संस्कृति युवा संस्था और वर्ल्ड ट्रेड पार्क द्वारा आयोजित 15वीं जयपुर मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना करने के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि पीएम ने देश को स्वस्थ जीवन का महत्व समझाने के लिए फिट इंडिया मूवमेंट शुरू किया है। इससे प्रेरणा पाकर योग और व्यायाम को लोगों ने अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। सीएम ने निरोगी जीवन के लिए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की जरूरत बताते हुए कहा कि देश में यंग इंडिया, फिट इंडिया तथा खेलो इंडिया जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। यह परंपरा युवाओं को स्वस्थ और गतिशील बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

जयपुर मैराथन लोगों में बढ़ती खेल भावना का प्रमाण है और एक ऐसा आयोजन है, जिससे आगामी वर्षों में भविष्य के एथलीट अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हमें धैर्य, संघर्षशीलता और समर्पण के महत्व को समझाता है तथा जयपुर के समृद्ध इतिहास और संस्कृति को प्रदर्शित करता है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रोत्साहित करने और खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेगी। प्रदेश में खेल सुविधाओं को विकसित किया जाएगा और सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों समेत खेलों के बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। युवाओं को खेलों में अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराये जाएंगे, जिससे वे देश और दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। सीएम श्री शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में व्यस्ततम जीवन शैली के कारण लोग स्वस्थ जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। देर रात तक जागने और सुबह देरी से उठने के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को लेकर अन्य प्रदेशों से अग्रणी है। यह वीरों की भूमि है। यहां युवा सेना में शामिल होकर देश की सेवा के लिए उत्साहित रहते हैं, इसलिए वे अपने स्वास्थ्य एवं फिटनेस पर विशेष ध्यान देते हैं। प्रदेश के गांवों, कस्बों तथा शहरों में बड़ी संख्या में युवक युवतियां सुबह जल्दी उठकर दौड़ लगाते एवं व्यायाम करते नजर आते हैं। 15वीं जयपुर मैराथन में पांच विभिन्न श्रेणियों में बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं, बच्चों एऊ दिव्यांगों ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया और दो नये रिकॉर्ड भी बनाये।

भारत के आर्थिक विकास के स्मारक बनाए हैं कांग्रेस ने : जयराम रमेश

-भारत जोड़ो न्याय यात्रा के धनबाद पहुंचने पर क्या कहा कांग्रेस सांसद ने

धनबाद (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आज रविवार धनबाद से शुरू हुई तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि भारत के आर्थिक विकास के स्मारक कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने बनाए हैं।

दरअसल धनबाद के टुंडी प्रखंड में रात्रि विश्राम के बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा रविवार को धनबाद शहर के गोविंदपुर से पुनर्शुरू की गई थी। इस अवसर पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, कि आज, हमसे पूछा जाता है कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया? आज हम धनबाद में हैं और हम बोकारो जाएंगे, जो कि बोकारो इस्पात शहर के नाम से भी मशहूर है। उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा बनाए स्मारक हैं। जब लोग पूछते हैं कि हमने 70 वर्षों में क्या किया, तो बताना चाहूंगा कि भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर, भाखड़ा नांगल, बोकारो, धनबाद, बरौनी, सिंदरी- आदि आदि ये सभी भारत के आर्थिक विकास के स्मारक हैं।

इस अवसर पर कांग्रेस की झारखंड इकाई के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने न्याय यात्रा के संबंध में विस्तार से बताया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को रामगढ़ जिले में रात्रि विश्राम करेंगे। उन्होंने बताया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा दो चरणों में आठ दिन में राज्य के 13 जिलों में 804 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। 67 दिनों में यह यात्रा 6,713 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। 15 राज्यों के 110 जिलों से होते हुए 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी।

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी, 2050 तक कैंसर से बिछ जाएंगी लाशें

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अवेयरनेस नहीं आई तो 2050 तक कैंसर से लाशें बिछ जाएंगी। बता दें कि देश और दुनिया में कैंसर के मामले तेज गति से बढ़ रहे हैं। कैंसर कितना खतरनाक होता है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें न केवल जान जाती है, बल्कि जीवनभर की जमापूंजी भी खत्म हो जाती है। जानकारी बताते हैं कि केवल भारत में ही कैंसर से मरने वालों की संख्या लाखों में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2022 में भारत में कैंसर के 14.1 लाख से अधिक नये मामले सामने आए और इस रोग के कारण 9.1 लाख से अधिक मौतें हुईं। वहीं, अब डब्ल्यूएचओ ने चेताया है कि साल 2050 तक दुनिया भर में कैंसर के मामलों में 77 फीसदी बढ़ोतरी होगी और इस खतरनाक बीमारी के सालाना मामले 35 मिलियन पहुंच जाएंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर एजेंसी इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) ने कैंसर केसों की इस चिंताजनक वृद्धि के लिए लोगों की जीवनशैली और बिगड़ते पर्यावरण के हालात को जिम्मेवार ठहराया है।

कैंसर पर शोध करने वाली एजेंसी ने कैंसर के लिए तंबाकू, शराब, मोटापा और वायु प्रदूषण को प्रमुख कारक माना है। डब्ल्यूएचओ ने 115 देशों से सर्वे नतीजों को सामने लाते हुए कहा कि अधिकांश देश सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के हिस्से के रूप में कैंसर और इस रोग के कारण होने वाले दर्द से संबंधित देखभाल सेवाओं को पर्याप्त रूप से वित्तपोषित नहीं करते हैं। कैंसर पर शोध के लिए आईएआरएसी के अनुमानों के अनुसार पुरुषों में होंठ, मुंह और फेफड़े का कैंसर सबसे आम था, जो नये मामलों का क्रमश- 15.6 प्रतिशत और 8.5 फीसदी है। वहीं, महिलाओं में स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर सबसे आम थे। नये मामलों में इनकी हिस्सेदारी भी क्रमश- 27 और 18 फीसदी थी।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए क्या कांग्रेस से निमंत्रण मांगें: अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा चल रही है। इस यात्रा में शामिल होंगे या नहीं होगे के सवाल पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव में झुंझलाते हुए कहा कि क्या उनके निमंत्रण पत्र मांगे। क्योंकि बिना बुलाए हम कहीं जाते नहीं हैं।अखिलेश ने कहा कि कई बड़े-बड़े आयोजन होते रहते हैं, लेकिन हमें निमंत्रण ही नहीं मिलता है। तो हम अपने आप क्या निमंत्रण मांगे। अखिलेश के जवाब पर मीडिया ने उनसे पूछा कि उन्हें राम मंदिर का न्योता तो मिला था, लेकिन वह वहां तो नहीं गए थे। राम मंदिर जाने की बात पर अखिलेश ने कहा कि जब भगवान बुलाएंगे, तब वह राम मंदिर जाएंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में विपक्ष के इंडिया ब्लॉक में सीट शेयरिंग को लेकर जोरशोर से रायशुमारी चल रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस को 11 सीटें देने का ऐलान किया है। हालांकि, कांग्रेस का कहना है कि फिलहाल सीट शेयरिंग को लेकर फाइनल बात नहीं हुई है। इस बीच अखिलेश ने समाजवादी पार्टी के 16 प्रत्याशियों की लिस्ट भी जारी कर दी है।

बता दें कि सपा की पहली लिस्ट में 11 ओबीसी, 1 मुस्लिम, 1 दलित, 1 ठाकुर, 1 टंडन और 1 खत्री उम्मीदवार शामिल हैं। 11 ओबीसी उम्मीदवारों में 4 कुर्मी, 3 यादव, 2 शाक्य, 1 निषाद और 1 पाल समुदाय से हैं। सपा ने अयोध्या लोकसभा (सामान्य सीट) पर दलित वर्ग के पासी प्रत्याशी को टिकट दिया है। एटा और फर्रूखाबाद में पहली बार यादव की जगह शाक्य बिरादरी के नेताओं को टिकट दिया गया है। इससे पहले अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 11 सीटें ऑफर की थीं। बीते दिनों ही यूपी में इंडिया ब्लॉक के तहत सपा और रालोद का गठबंधन हुआ था जिसके तहत रालोद को 7 सीटें देने का ऐलान सपा अध्यक्ष ने किया था। हालांकि इस सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद यूपी में गठबंधन को लेकर सस्पेंस बन गया था। इस बीच अब अखिलेश यादव ने 16 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है।

ओबीसी के लिए काम करता रहूंगा...कहते हुए भुजबल ने थमाया इस्तीफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठों को ओबीसी वर्ग से आरक्षण देने के मामले में राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल काफी नाराज हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मैंने ओबीसी के लिए हमेशा संघर्ष किया है, उनके हक के लिए लड़ाई लड़ी है। एक फिर ओबीसी के हक के लिए मैंने अपना इस्तीफा राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सौंप दिया है। 16 नवंबर 2023 को दिया गया इस्तीफा अभी तक मंजूर नहीं हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस बात का खुलासा इसलिए नहीं किया है कि सीएम शिंदे एवं डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने चुप रहने का कहा था। अहमदनगर में एक ओबीसी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह इस्तीफे पर चुप हैं क्योंकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें

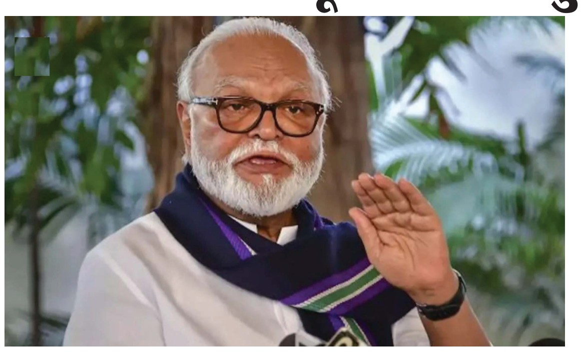

सार्वजनिक रूप से इस बारे में नहीं बोलने के लिए कहा था। उन्होंने कहा, मैं इस पर चुप रहा, लेकिन कुछ लोग अब ओबीसी के पक्ष में बोलने के लिए भुजबल को कैबिनेट से बाहर करने की मांग कर रहे हैं। मैं अपनी आखिरी सांस तक ओबीसी के लिए लड़ूंगा। छगन भुजबल ने शिवसेना के बुलढाणा विधायक संजय गायकवाड़ का जिक्र करते हुए यह बात कही है। बता दें कि गायकवाड़ ने भुजबल के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था और मंत्री पद से उनका इस्तीफा मांगा था।भुजबल के अनुसार, जालना जिले के अंबाद में ओबीसी रैली के लिए जाने से पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। ओबीसी वर्ग से मराठा आरक्षण के खिलाफ मुखर भुजबल ने पिछले ढाई महीनों में राज्य भर में कई रैलियों को संबोधित किया है। अपने त्याग पत्र में भुजबल ने कहा कि वह मंत्री पद से इस्तीफा दे रहे हैं क्योंकि उनके कुछ कैबिनेट सहयोगी मराठा आरक्षण से संबंधित उनके रुख से सहमत नहीं हैं।

भुजबल ने महाराष्ट्र पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा मराठा समुदाय के हाल ही में संपन्न सर्वेक्षण पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जानकारी एकत्र करते समय गणनाकर्ताओं द्वारा झूठ दर्ज किया जा रहा है। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार द्वारा 27 जनवरी को कुनबी पृष्ठभूमि वाले मराठा समुदाय के सदस्यों के रक्त संबंधियों को कुनबी प्रमाण पत्र जारी करने की अधिसूचना जारी करने के बाद ओबीसी समाज की यह पहली सार्वजनिक रैली थी। भुजबल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फडणवीस ने कहा, मुख्यमंत्री भुजबल के इस्तीफे पर टिप्पणी करने में अधिक सक्षम होंगे। इस समय मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि सीएम ने अब तक इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है।

कबूतर वाज और थाने की भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ डी एम ने दिए एफ आई आर के आदेश

नबावगंज। शनिवार को तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने विदेश में अच्छी नौकरी लगवाए जाने के नाम पर लाखों रुपए ठगने वाले कबूतर वाज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के आदेश कोतवाल श्रवण कुमार सिंह को दिए हैं। एस एस पी सुशील चंद्रभान धुले के साथ साढ़े 11 बजे आयोजन में पहुंचे जिलाधिकारी के सामने ग्राम खिजरपुर के सलीम, रिहान, अशफाक, यासीन खां, शमशाद, इरफान खां, अली दाद खां, अमीरूल, शाहिद, आरिफ आदी ने शिकायती पत्र देकर ग्राम के कबूतर वाज आसिफ खां पर दुबई में अच्छी नौकरी लगवाए जाने के नाम पर प्रत्येक से एक लाख बीस हजार रुपए ऐंठकर दो माह के टूरिस्ट वीजा पर दुबई भेजने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कदी कार्यवाही की मांग की, जिस पर डी एम ने कबूतर बाज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश कोतवाल श्रवण कुमार सिंह को दिए। इसके साथ ही ग्राम विशनपुर के युवा नेता पुष्पेंद्र गंगवार ने अपने निकटवर्ती ग्राम धौरेरा में थाने के लिए छोड़ी गई ग्राम समाज की जमीन पर दबंगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटवाए जाने की एक बार फिर गुहार लगाई जिस पर जिलाधिकारी ने एस डी एम और सी ओ को अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के साथ ही भूमि खाली कराए जाने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही पूर्व सांसद प्रतिनिधि राममोहन गंगवार ने ग्राम हरदुआ किफायतुल्ला में एक कालोनाइजर द्वारा सरकारी नाले की भूमि पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है, नाले पर कब्जा करने से कई ग्रामों का पानी अवरुद्ध हो जाएगा, जिस पर डी एम रवींद्र कुमार ने एस डी एम को जांच कर कार्यवाही के आदेश दिए हैं। ग्राम चुनुआं के मेवाराम द्वारा ग्राम के चकमार्ग पार वार वार दवंग द्वारा किए जा रहे कब्जे के मामले में भी डी एम ने कब्जे दार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के आदेश दिए हैं।

ग्राम पडरी समीप बरौर के सुरेंद्र पाल ने भी आज 12 वी वार चकरोड़ से कब्जा हटवाए जाने की गुहार लगाई जिस पर डी एम ने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही भारतीय किसान यूनियन के चंद्र प्रकाश गंगवार, फतेहचंद, हरदेव सिंह, ओम प्रकाश आदि ने क्षेत्र में घूम रहे आवारा पशुओं को पकड़वाकर गौ शाला भिजवाए जाने, कोल्हुओ पर जलाए जा रहे गंदे कपड़े और प्लास्टिक पर, जिससे प्रदूषण फैल रहा है पर तत्काल रोक लगाए जाने के साथ ही कस्बे में एक भी सार्वजानिक शौचालय न होने से होने वाली परेशानी को देखते हुए तत्काल ही जनहित में शौचालय बनवाए जाने, के साथ ही कस्बे के नाले पर किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटवाए जाने मांग की, जिस पर डी एम ने नगर पालिका के साथ ही वी डी ओ महेश चंद्र शाक्य को कार्यवाही के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही ग्राम ग्रेम के किसानों अमित, प्रेमपाल, योगेश कुमार, नन्द किशोर सहित दर्जनों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को खुले तौर पर घूम रहे आवारा पशुओं से हो रही फसलों की बरबादी को देखते हुए तत्काल ही इन्हें गौ शाला भिजवाए जाने की मांग की जिस पर उन्होने खण्ड विकास अधिकारी महेश चंद्र शाक्य को कार्यवाही के आदेश दिए हैं। नवाबगंज एडवोकेट प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हाजी माजिद हुसैन जैदी, सचिव दुष्यंत कुमार, पूर्व अध्यक्ष शिशुपाल सिंह गंगवार की अगुआई में अधिवक्ताओं का एक शिष्टमंडल डी एम से मिला, और उन्हें तहसील में वर्षो से लम्बित पढ़ी दाखिल खारिज की पत्रावलियों का निस्तारण न किए जाने ई परवाना जारी न किए जाने, वसीयत, विरासत, दान पत्रों के मामले में ई परवाना जारी न किए जाने, धारा 38 की पत्रावलियों में समय से रिपोर्ट न दिए जाने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की जिस पर डी एम ने एस डी एम नहने राम को कार्यवाही के आदेश दिए हैं। आयोजन में ग्राम रिछोला किफायतुल्ला के वली अहमद और मुन्ने ने मनरेगा का कार्ड होने के बाद भी तीन सालों से कोई भी मजदूरी कार्य न दिए जाने के साथ ही राशन कार्ड बनवाए जाने, ग्राम के रहीमुद्दीन ने राशन कार्ड बनवाए जाने की मांग की, जिस पर उन्होने जिला पूर्ति अधिकारी और वी डी ओ को कार्यवाही के आदेश दिए हैं। आयोजन में यशपाल गंगवार, गोपाल बहादुर, लीलाधर, बाबू राम, मोहन स्वरूप गंगवार आदि ने ग्राम इंधजागीर की वस्ती प्रकाश नगर में अभी तक विधुत पोल न लगाए जाने पर डी एम को दूसरी बार शिकायत की जिस पर उन्होंने विभाग के अधिशासी अभियंता को कार्यवाही के आदेश दिए। सभासद दरवेशवर सिंह ने नगर के वार्ड 4 में प्रस्ताव होने के बाद भी डूडा द्वारा अभी तक कोई रोड नाली का निर्माण न कराए जाने का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र दिया। आयोजन में करीब 154 शिकायतें दर्ज की गई जिनमें से 13 का मौके पर निराकरण किए जाने का दावा किया गया है। इसमें सी एम ओ डॉक्टर विश्राम सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी, डी पी आर ओ सहित अधिकांश जिला और तहसील स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। करीब डेढ घंटे तक रहने के बाद डी एम और एस एस पी महानगर रवाना हो गए।

संक्षिप्त डायरी

योजनाएं गांव,गरीब व किसानों के लिए समर्पित: शेषनाथ मिश्र

कुशीनगर। फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के चौरा मंडल अध्यक्ष शेषनाथ मिश्र ने गांव चलो अभियान की शुरूआत गांव बिशनपुरा से किया। श्री मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गांव को विकसित करने के लिए केंद्र सरकार की प्रत्येक योजना गांव गरीब और किसान के कल्याण लिए समर्पित है। गांव चलो अभियान के संयोजक अमिताभ मिश्र नें कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक लाभार्थी को मिले यह हम सभी का प्रयास है।किन्हीं कारणों से कोई कठिनाई हो तो उसका निराकरण किया जाएगा।पिछड़ा मोर्चा के मंडल महामंत्री दिलीप यादव ने कहा कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार भारी बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने के लिए लोगों में उत्साह दिख रहा है। इस दौरान प्रवासी राम इकबाल पांडेय, बरिष्ठ भाजपानेता महेंद्रनाथ उपाध्याय, कुलदीप ऊर्फ नुरज उपाध्याय, नीलेश उपाध्याय, आनंद उपाध्याय, सुरेश उपाध्याय, श्रीआधार उपाध्याय, रामनारायण उपाध्याय, सोनू उपाध्याय मौजूद रहे।

एक ही फंदे पर लटके मिले प्रेमी-प्रेमिका के शव

अमरोहा में कक्षा-9 की नाबालिग छात्रा और प्रेमी का शव एक ही फंदे पर पेड़ से लटका मिला। दोनों 3 दिन से लापता थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्र अधिकारी धनोरा श्वेताभ भास्कर भी घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर मौजूद लड़के के घरवालों ने शव उठाने से इनकार कर दिया। पुलिस से नोक-झोंक भी हो गई। पुलिस ने दोनों के परिवार वालों को समझाकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। तनाव को देखते हुए प्रेमिका के घर पर पुलिस तैनात कर दी गई है। पूरा मामला थाना सैदनंगली क्षेत्र के गांव सैदरा मिलक का है। लड़के के परिवार वालों ने लड़की वालों पर हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है। लड़के के घरवालों का कहना है कि 4 दिन पहले लड़की वालों ने हम लोगों को बर्बाद करने की धमकी दी थी। दरअसल, गांव के रहने वाले राजू (21) का गांव की ही रहने वाली नाबालिग छात्रा से लंबे समय से अफेयर चल रहा था। लड़का घर की खेती में हाथ बंटाता था। अफेयर की जानकारी दोनों के परिवार वालों को हो गई थी। राजू के भाई मिलन ने बताया, ₹लड़की के घर वाले इस रिश्ते के खिलाफ थे। लड़की वालों ने एक हफ्ते पहले हम लोगों को बर्बाद करने की धमकी दी थी। उसके बाद शुक्रवार को घर के बाहर से अचानक मेरा भाई लापता हो गया था। उसकी चारपाई के नजदीक फोन, जूते, जैकेट पड़े मिले थे। लेकिन उसका कोई पता नहीं चल रहा था। लड़की वालों ने उल्टा हम लोगों पर लड़की के अपहरण का केस दर्ज कराया था। आज सुबह घर से मात्र 300 मीटर की दूरी पर गांव के लोगों ने दोनों के शव आम में पेड़ पर लटके देखे। सूचना मिलते ही दोनों के परिजन रोते बिलखते मौके पर पहुंचे। गांव के सैकड़ों लोगों की भीड़ लग गई। लड़के के परिवार वालों ने लड़की वालों पर हत्या का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। सैदनंगली थाना प्रभारी, हसनपुर कोतवाल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। दोनों परिवार के लोगों से पूछताछ की। सैदनंगली थाना अध्यक्ष वरुण कुमार ने बताया,₹दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मृतक प्रेमी के खिलाफ शनिवार को अपहरण का मुकदमा प्रेमिका के परिजनों ने दर्ज कराया था। आज लड़के वाले लड़की वालों पर धमकाने का आरोप लगा रहे हैं। फिलहाल साक्ष्यों के आधार पर जांच चल रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

मेरी बेटी सुसाइड नहीं कर सकती, वह दूसरों को न्याय देती थी

बदायूं में महिला जज ज्योत्सना राय की मौत के मामले में उनके पिता अशोक कुमार राय ने बेटी की हत्या की ऋफ दर्ज कराई है। पिता ने कहा, "मेरी बेटी ऐसा नहीं कर सकती। वह दूसरों को न्याय देती थी। उसने सुसाइड नहीं किया। उसे किसी ने मारकर लटका दिया है, ताकि यह सुसाइड लगे।" पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की ऋफ की है। शनिवार सुबह 29 साल की महिला जज ज्योत्सना राय का शव उनके सरकारी आवास में पंखे के सहारे फंदे पर लटका मिला था। दरवाजा तोड़कर शव निकाला गया था। पास में ही उनका मोबाइल भी मिला था। इस आधार पर पुलिस का कहना था कि महिला जज ने सुसाइड किया है। ज्योत्सना बदायूं में जूनियर डिवीजन मुंसिफ मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात थीं। ज्योत्सना राय मऊ की रहने वाली थीं। बदायूं में दूसरी पोस्टिंग थीं। इससे पहले अयोध्या जिले में तैनात थीं। ज्योत्सना की शादी नहीं हुई थी। सरकारी आवास में अकेले रहती थीं। रढ आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि पिता की तहरीर पर हत्या का केस सदर कोतवाली में लिखा गया है। मामले की जांच जारी है, जो भी तथ्य सामने आएंगे। उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ज्योत्सना के पिता अशोक कुमार राय ने तहरीर में कहा, "मेरी बेटी सरकारी आवास में अकेले रहती थी। 2 फरवरी की रात को उसने अपनी मां से खुशी-खुशी बात की थी। वो आत्महत्या करेगी, इसकी कोई वजह नहीं है। मुझे शक है कि किसी ने मेरी बेटी को मारकर लटका दिया है। ज्योत्सना राय के भाई हिमांशु शेखर राय रेलवे में इंजीनियर हैं। पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर बदहवास बैठे हिमांशु ने कहा, "ज्योत्सना का घर का नाम जूही था। आज लखनऊ में वो मम्मी के साथ जमीन देखने जाने वाली थी।

बोर्ड परीक्षा में सफलता हेतु विद्यार्थियों को दी गयी शुभकामनाएं

कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा हाटा विकास खण्ड के ग्राम सभा भठही बाबू स्थित जूनियर हाईस्कूल परिसर में रविवार को गांव के 10वीं व 12वीं के बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के साथ बैठक कर सफलता हेतु लेखनी भेंट कर शुभकामनाएं दी गई। संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने कहा कि ग्रामीणांचल में छुपी हुई प्रतिभा को निखारने व समाज के समक्ष लाने की जरूरत है। प्रदेश व जिले स्तर पर मेधावियों की सूची बनाकर उन्हें सम्मानित किया जाता है। इसी प्रकार संस्थान द्वारा ग्राम स्तर पर परीक्षा का परिणाम आने पर मेधावियों के सम्मान की योजना है जिसकी शुरूआत भठही बाबू से की जाएगी। ग्राम प्रधान सुभाष कान्दू ने कहा कि इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहेगी और सबका परीक्षा परिणाम अच्छा होगा। विद्यार्थियों को रामदास शर्मा, कमलेश मद्देशिया, राहुल गौतम, पेशकार गौड़, इंद्रमणि मद्देशिया ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सृष्टि मद्देशिया, आकांक्षा मद्देशिया, संगम मद्देशिया, काजल गिरी, मुस्कान मद्देशिया, सत्यम गौतम, शिवम गौतम, अभय कान्दू, सुमित विश्वकर्मा, काजल, रितिका, अराधना, अनुष्का, अरीशा, रागिनी, संजना, प्रीति, शिवांगी, निर्जला, आयुष, शैलेष, आर्यन, सूरज, अंकित आदि उपस्थित रहे।

जिला पंचायत राज अधिकारी ने ग्राम ढक्का ओर डगरोली का निरीक्षण

अमरोहा। जनपद अमरोहा की तेज तर्रार जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया जनपद विकासखंड हसनपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत ढक्का ओर डगरोली पहुंची। जहां उन्होंने ग्राम पंचायत में हुए कार्य को लेकर जांच पड़ताल की है। जिसके बाद जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने ग्राम पंचायत में पहुंचकर लोगों से ग्राम पंचायत का हाल जाना। अलग इस दौरान निरीक्षण में डीसी राजीव खान व वीडियो पंचायत अमित पांडे मौजूद रहे। इस दौरान ग्राम पंचायत ढाका ओडीएफ प्लस गांव हैं जिसके मंडल स्तरीय सत्यापन के लिए डी डी ने गांव पहुंचे थे। इस दौरान ग्राम पंचायत में पंचायत घर में आसपास गंदगी पाई गई। इसके बाद उप निदेशक ने कड़ाई नाराजगी व्यक्त की। इसके बाद उन्होंने अभिलेखों का निरीक्षण किया जिसमें टेंडर प्रक्रिया में कमी तथा फॉर्म के रजिस्ट्रेशन जैसी कमियां पाई गई। इस दौरान पंचायत सहायक द्वारा मात्र 12 सेवाएं दी गई। जिसमें बढ़ाने की निर्देश दिए हैं। इसी के साथ जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने ग्राम पंचायत में पंचायत घर के साफ सफाई शौचालय की मरम्मत व बाउंड्री वॉल करवाने के निर्देश दिए हैं। साथी और डीएफ के सत्यवान हेतु कर्मियों को ठीक करा कर सचिव व ग्राम प्रधान को 15 दिन पुन सत्यापन हेतु तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने ग्राम पंचायत डगरौली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में हेड पंप की मरम्मत की प्रणाली ठीक नहीं पाई गई। साथ ही पंचायत सचिव विपिन यादव के कार्य में लापरवाही पाई गई। जिस पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्ति की है इसी के साथ उन्होंने पंचायत सचिव से ग्राम पंचायत में स्कूल टॉयलेट टाइल्स लगवाने के निर्देश दिए। इसी के साथ आरसी सेंटर में वर्मी कंपोस्ट डिजाइन ठीक नहीं पाई गई। इस दौरान उप निदेशक ने कंसल्टेंट इंजीनियर जवाब तलब करने आदेश जारी किए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी किसी बड़ी कार्रवाई से ग्राम प्रधानो और पंचायत सचिवो में हड़का मच गया है।

रोटरी क्लब:नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 207 मरीजों की हुई जांच

कसया, कुशीनगर। नगर के सिरसिया (बाबा साहेब आप्टे नगर) के जूनियर हाई स्कूल प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संगठन रोटरी क्लब कुशीनगर एवं राज आई हॉस्पिटल, गोरखपुर के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 207 मरीजों की जांच हुई। 59 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किए गए। मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित मरीजों का इलाज एवं ऑपरेशन निःशुल्क रुप से राज आई हॉस्पिटल, गोरखपुर में कराया जाएगा, साथ ही मरीजों को वाहन की सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने बताया कि क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों के आंखों का निःशुल्क इलाज व चिन्हित मरीजों के ऑपरेशन में रोटरी की पूरी टीम हर संभव मदद करती रहेगी। इस अवसर पर रोटरी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष संदीप रौनियार, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, डॉ सुनील सिंह, राजाराम जायसवाल, सरवरे आलम (छोटे), लतीफ अंसारी एवं आदिल खान उपस्थित रहे। नेत्र जांच टीम में डॉ रेहान खान, डॉ ऋषि मौर्य, अंकित दूबे, हर्ष त्रिपाठी, शमशाद, श्री रामजानकी सेवा समिति के व्यास दूबे, व्यवस्थापक डॉ. संजय कुमार सिंह, लप्पू दुबे, मुन्ना सिंह, अखिलेश सिंह, रमेश पटेल, राधेश्याम यादव, आदर्श प्रताप सिंह, रामध्यान यादव, श्रवण वर्मा, रामकृपाल, अनिल, चंद्र प्रकाश, उमेश दुबे ने शिविर में सहयोगी भूमिका निभाई।

प्रदेश मंत्री और जिला प्रभारी शकुंतला चौहान होंगी मुख्य अतिथि

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी का शक्ति वंदन अभियान जिला कार्यशाला सोमवार 5 फरवरी को दोपहर 12:30 रविन्द्र नगर स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया है। जिसे बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री और जिला प्रभारी शकुंतला चौहान जी संबोधित करेंगी। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने बताया कि कार्यशाला में भारतीय जनता पार्टी के सांसद, विधायक, सदस्य विधान परिषद, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, जिला अभियान टोली के सदस्य, विधानसभा अभियान संयोजक, मण्डल अभियान टोली, महिला मोर्चा जिला पदाधिकारी, महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष भाग लेंगे। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने बैठक में अपेक्षित सभी जनप्रतिनिधि तथा पदाधिकारीयों से समय से उपस्थित होकर कार्यशाला को सफल बनाने का आह्वान किया है।

मेरठ से क्रकएजेंट गिरफ्तार, मॉस्को स्थित दूतावास में था

यूपी एटीएस ने रूस के भारतीय दूतावास में काम करने वाले कर्मचारी को मेरठ से अरेस्ट किया है। सत्येंद्र सिवाल का नाम का यह कर्मचारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा था। सत्येंद्र 2021 से विदेश मंत्रालय में टळर यानी मल्टी टास्किंग स्टाफ के तौर पर काम कर रहा था। उसकी तैनाती मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास में है। मूलरूप से सत्येंद्र हापुड़ का रहने वाला है। एटीएस के मुताबिक पाकिस्तान की महिला हैंडलर ने सत्येंद्र से मिलने और गिफ्ट का लालच देकर पहले सत्येंद्र से उसके विभाग से जुड़ी जानकारी हासिल करनी शुरू की। इसके बाद उससे दूतावास में आने वाली भारतीय सेना से जुड़ी जानकारी मांगनी शुरू कर दी। हनी ट्रैप में फंसकर सत्येंद्र उसको कई अहम जानकारियां देता रहा। एटीएस सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्रालय में तैनात सत्येंद्र सिवाल क्रक की महिला एजेंट से पिछले साल संपर्क में आया था। इससे उसकी ऑनलाइन चैट के साथ वीडियो कॉलिंग शुरू हुई। हनी ट्रैप में फंसकर कई खुफिया जानकारी उसने शेयर कर दी। एटीएस ने बताया कि सत्येंद्र ने भारत से जुड़ी अहम सूचनाएं पाकिस्तान को दीं। वह पाक हैंडलर्स के संपर्क में था। एटीएस मेरठ यूनिट से पूछताछ में सत्येंद्र ने जासूसी की बात कबूल की है। एटीएस को उसके पास से दो मोबाइल, आधार कार्ड, पैन कार्ड व कुछ अन्य सामान बरामद हुआ है। यूपी एसटीएस के सीनियर अफसर उससे पूछताछ कर रहे हैं। एटीएस चीफ मोहित अग्रवाल ने बताया कि सत्येंद्र सिवाल इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मॉनिटरिंग के दौरान शक के घेरे में आया। एटीएस को इनपुट मिलने के बाद टीम एक्टिव हुई और सतेंद्र सिवाल पर नजर रखनी शुरू की। जब उसकी जासूसी को लेकर पुख्ता सबूत मिले तो उसे मेरठ में बुलाकर पूछताछ की।

भाजपा का लोकसभा चुनाव में होगा पत्ता साफ: बंटी राव

कसया, कुशीनगर। कसया विकास खण्ड के ग्राम धुरिया भाठ में समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित पीडीए चौपाल में वक्ताओं ने भाजपा की नीतियों की आलोचना की। कुशीनगर विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी और लोकसभा कुशीनगर प्रभारी राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार, अपराध चरम पर है। खाद, बीज, नून, मसाला, गैस हर चीज का दाम बढ़ गया। सपा सरकार में 400 रुपये में मिलने वाला रसोई गैस सिलेंडर अब 11 रुपये में मिल रहा है। सपा सरकार में भी राशन फ्री मिल रहा था। यह कह रहे हैं फ्री दे रहे हैं। जबकि जनता को फ्री के नामपर धोखा दे रहे हैं। जनता त्रस्त है। भाजपा की नीतियों की कलई खुल गयी है। श्री राव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आम जनता का दर्द नहीं जानती है। मैंने जनता के दुःख, दर्द में हरदम साथ दिया है और आजीवन देता रहूंगा। बस मेरी अपील है कि नेता नहीं बेटा चुनें जो आप के विधानसभा, गांव, घर में रहे। उन्होंने कहा कि सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव के नेतृत्व में भाजपा का लोकसभा चुनाव में पत्ता साफ हो जाएगा। इसी क्रम में वक्ताओं ने सपा के शासन काल में किये गए कार्यों को गिनाया। इस दौरान यशवंत सिंह, मुन्ना शर्मा, सुनील वर्मा, संजय प्रसाद, जयप्रकाश यादव, महेश प्रसाद, भजन प्रसाद, बांसी प्रसाद, रामप्रीत प्रसाद, बिगू भारती सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सेमीखेडा चीनी मिल मे किसानों को उन्नतशील गन्ने की बुवाई को किया प्रेरित

उप गन्ना आयुक्त ने पर्यवेक्षण जिला गन्ना अधिकारियों को करने के दिये निर्देश। एक दिन नोकेन के बाद मिल मे पेराई हुए शुरू। देवरनियां। जिले की इकलौती किसान सहकारी चीनी मिल सेमीखेडा मे शनिवार को किसानों को अच्छी प्रजाति के गन्ने की बुवाई के प्रेरित कर 0238 गन्ने की बुवाई से बचने को कहा गया है। मिल प्रबंधन से जुडे अफसरों ने जीएम शादाब असलम खान और सीसीओ अमित कुमार

चतुर्वेदी,ईडीपी कुमार मनीष के निर्देशन मे मिल यार्ड मे किसानों को बसंत कालीन गन्ने की बुवाई को उन्नतशील किस्मों की बुवाई करने को कहा गया। किसानों को बताया गया कि सीओ 0238 मे लाल रोग (रेड राट) से ग्रसित होने और बीमारी लगने से इसकी बुवाई से बचने को कहा गया। कहा गया कि इसकी बुवाई से उन्हें और चीनी मिल दोनों को हानिकारक है। किसानों को सीओ बसंत कालीन गन्ने की बुवाई के लिए उन्नतशील किस्मों 15023, 0118,14201,13235,17231,8272 की बुवाई करने को कहा गया। और जलप्लावित के लिए 98014 की बुव करने को कहा गया। इधर उप गन्ना आयुक्त राजीव राय ने सभी जिला गन्ना अधिकारियों को पत्र जारी कर 0238 गन्ने के सम्बन्ध मे निर्देश जारी कर पर्यवेक्षण कराने को कहा गया है। इधर गन्ने के आभाव मे वृहस्पतिवार रात से नोकेन हुई सेमीखेडा चीनी मिल ने शुक्रवार रात से फिर पेराई शुरू कर दी है। मिल प्रबंधन का दावा है अब मिल नोकेन नहीं होगी मिल यार्ड मे गन्ना पर्याप्त है। बारिश की सम्भावना को देखते हुए आगामी दिनों की पर्चियों पर भी गन्ना तौल की जा रही है। जिला गन्ना अधिकारी यशपाल सिंह ने जेष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक जे एस भदौरिया, चीनी मिल के मुख्य गन्ना अधिकारी एवं गन्ना पर्यवेक्षक के साथ मीटिंग की।

सिंगापुर में लैब में तैयार हुआ मांस खा सकेंगे मुसलमान, लेकिन हलाल का होना जरूरी

सिंगापुर, एजेंसी। इस मुस्लिम देश में लैब में तैयार हुआ मीट (मांस) खाने की इजाजत मिल गई है। हालांकि मीट में किसी भी तरह गैल-हलाल इंग्रेडिएंट शामिल नहीं होने चाहिए। हम बात कर रहे हैं सिंगापुर की। सिंगापुर में मुसलमानों को प्रयोगशाला

(लैब) में तैयार मांस का सेवन करने की अनुमति दी जाएगी बशर्ते इसके लिए इस्तेमाल कोशिकाएं (सेल) हलाल जानवरों से ली गई हों और फाइनल प्रोडक्ट में कोई गैर-हलाल इंग्रेडिएंट शामिल न हो। टुडे अखबार में शनिवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक सिंगापुर के मुफ्ती डॉ. नजीरुद्दीन मोहम्मद नासिर ने कहा कि यह फैसला इस बात का उदाहरण है कि फतवा रिसर्च को आधुनिक तकनीक और सामाजिक परिवर्तन के साथ कैसे विकसित होना है। वह शुक्रवार को समकालीन समाजों में फतवा पर दो-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस्लाम में, फतवे मुस्लिम समुदाय को धार्मिक जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन से संबंधित फैसले हैं और मुफ्ती के रूप में जाना जाने वाला योग्य धार्मिक विद्वान इस्लामी कानून की औपचारिक व्याख्या करता है। मुस्लिम मामलों के प्रभारी मंत्री मासागोस जुल्किफली ने सम्मेलन के इतर संवाददाताओं से यह भी कहा कि लैब में तैयार मांस के मुद्दे पर 2022 से सिंगापुर इस्लामिक धार्मिक परिषद (एमयूआईएस) अध्ययन कर रही थी।

पाकिस्तान में वाइल्ड पोलियो वायरस का कहर

एक महीने में मिले 28 नए केस; स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान में वाइल्ड पोलियो वायरस के नए मामले सामने आए हैं। डॉन की खबर के अनुसार, जनवरी में पाकिस्तान के 19 जिलों से 28 सैंपल को लिया गया था, जबकि दिसंबर में क्वेटा और खुजदार से दो सैंपल लिए गए थे। ये सभी मामले पॉजिटिव मिले हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के एक अधिकारी के अनुसार, क्वेटा और कराची पूर्व में चार नमूने, पेशावर, कराची दक्षिण, कराची केमारी से दो-दो नमूने। इसके अलावा हैदराबाद, पिशिन, केच, नसीराबाद, डीजी खान, रावलपिंडी और लाहौर से 2 जनवरी से 16 जनवरी के बीच ये नमूने एकत्र किए गए थे। यहां मिले सभी नमूनों में वाइल्ड पोलियो वायरस की पुष्टि हुई है। अधिकारी ने कहा कि जनवरी 2024 में 28 पॉजिटिव केस मिले हैं।

इससे पहले साल 2023 में वाइल्ड पोलियो वायरस के 126 मामले मिले थे। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री नदीम जान ने कहा कि पिछले साल 126 पॉजिटिव नमूनों में से 120 मामलों में वायरस की पुष्टि हुई थी। स्वास्थ्य सचिव इफ्तिखार अली शालवानी ने कहा कि पाकिस्तान इस वायरस को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस साल के अंत तक इसको खत्म करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को इस लकवाग्रस्त बीमारी से बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम पाकिस्तान में पोलियो को खत्म करने के लिए अपने सभी प्रयास जारी रखेंगे।एएनआई, इस्लामाबाद। पाकिस्तान में वाइल्ड पोलियो वायरस के नए मामले सामने आए हैं। डॉन की खबर के अनुसार, जनवरी में पाकिस्तान के 19 जिलों से 28 सैंपल को लिया गया था, जबकि दिसंबर में क्वेटा और खुजदार से दो सैंपल लिए गए थे। ये सभी मामले पॉजिटिव मिले हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के एक अधिकारी के अनुसार, क्वेटा और कराची पूर्व में चार नमूने, पेशावर, कराची दक्षिण, कराची केमारी से दो-दो नमूने।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूस की रिफानरी में लगी आग, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

मास्को , एजेंसी। यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूस की रिफानरी में आग लग गई। हालांकि शनिवार को आग बुझा दी गई। वोल्गोग्राड के गवर्नर एंड्री बोचारोव ने स्थानीय प्रशासन के टेलीग्राम चैनल को बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ड्रोन के गिरने से वोल्गोग्राड तेल रिफाइनरी में आग लग गई। अग्निशमन और बचाव कर्मी आग बुझाने में जुट गए। कोई हताहत नहीं हुआ है। तेल उत्पादक कंपनी लुकोइल, जो रिफाइनरी की मालिक है ने बाद में कहा कि आग बुझ गई है। संयंत्र सामान्य रूप से काम कर रहा है। स्वतंत्र रूसी समाचार रिपोर्टों के अनुसार शनिवार को मास्को में विरोध प्रदर्शन के दौरान 20 पत्रकारों को हिरासत में लिया गया। रूसी सैनिकों को यूक्रेन से लड़ने के लिए भेजे जाने के खिलाफ इन सैनिकों की पत्नियां प्रदर्शन कर रही हैं। रूसी सैनिकों की पत्नियों और अन्य रिश्तेदारों ने यूक्रेन सीमा से सैनिकों की वापसी का आह्वान किया है। लुहांस्क में बेकरी पर यूक्रेन के हमले में शनिवार को आठ लोगों की मौत हुई, वहीं 10 अन्य घायल हुए हैं।

रूस ने की सीरिया व इराक पर अमेरिकी हमलों की निंदा

मॉस्को, एजेंसी। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस सीरिया और इराक पर अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा करता है और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) सुरक्षा परिषद के माध्यम से उभरती स्थिति की तत्काल समीक्षा की मांग कर रहा है। जखारोवा ने शनिवार को एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा, इराक और सीरिया में रणनीतिक हमलावरों से जुड़े अमेरिकी हवाई हमलों ने एक बार फिर दुनिया को मध्य पूर्व में अमेरिकी नीति की आक्रामक प्रकृति और वाशिंगटन द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून की पूर्ण अवहेलना का प्रदर्शन किया।समाचार एजेंसी शन्हिुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका जानबूझकर हमले करके क्षेत्र के बड़े देशों को संघर्ष में झोंकने की कोशिश कर रहा है।उन्होंने कहा, हाल की घटनाएं इस बात की पुष्टि करती हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की तलाश नहीं कर रहा है और न ही कभी किया है।अमेरिका ने जॉर्डन में अपने सैन्य अड्डे पर हुए हमले के जवाब में शुक्रवार को सीरिया और इराक में ईरान से जुड़े मिलिशिया ठिकानों पर हमले किए थे।

सेक्स पार्टियां करती थी मां, बेटे ने अपने ही स्कूल के छात्रों को उतारा मौत के घाट

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अपने ही स्कूल के छात्रों की हत्या करने के आरोपी एक लड़के की मां पर भी केस चल रहा है। मामला अमेरिका का है। यहां साल 2021 में एक लड़के ने अपने हाई स्कूल के चार छात्रों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब इस हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर कोर्ट में सुनवाई चल रही है। हत्या के आरोपी लड़के की मां पर भी गैर-इरादतन हत्या का आरोप है और उसके खिलाफ सुनवाई चल रही है। अब आरोपी लड़के की मां को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। महिला का कई लोगों के साथ संबंध था और वह खुद सेक्स पार्टियां ऑर्गनाइज करती थी। 45 वर्षीय जेनिफर क्रम्बली और उसके 47 वर्षीय पति जेम्स क्रम्बली पर इंसानी हत्या के चार आरोप लगाए गए हैं। अमेरिका में आए दिन स्कूलों में गोलीबारी और हत्याओं के मामले सामने आते रहे हैं। हालांकि यह अपनी तरह का पहला ऐसा मामला माना जा रहा है जहां माता-पिता को अपने बच्चे की हरकतों के लिए का मुकदमें का सामना करना पड़ा है। उनका 17 वर्षीय बेटा एथन क्रम्बली नवंबर 2021 में मिशिगन के ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल में हुई गोलीबारी के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। इस गोलीबारी में 14 से 17 वर्ष की आयु के चार छात्रों की मौत हो गई थी।

जापान का स्मार्ट लैंडर फॉर इंवेस्टिगेटिंग मून निष्क्रिय हो गया, भेजी आखिरी तस्वीर

टोक्यो, एजेंसी।
भारत के चंद्रयान-3 ने पिछले साल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड करके इतिहास रच दिया था। इसके बाद इस साल जापान के चंद्रयान ने भी चांद पर सफलतापूर्वक लैंडिंग कर ली। अब जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) ने जानकारी दी है कि उसका स्मार्ट लैंडर फॉर इंवेस्टिगेटिंग मून निष्क्रिय हो गया है यानी कि अब जापान का चंद्रयान चांद पर सो गया है। दरअसल, जापान का यान जिस क्रेटर पर उतरा, वहां अब रात हो गई है। सोने से पहले चंद्रयान ने कमाल करते हुए चांद की फोटो भेजी है, जोकि उसकी आखिरी मानी जा रही।

एसएलआईएम अंतरिक्ष यान, जो चंद्रमा की जांच के लिए स्मार्ट लैंडर का शॉर्ट नाम है, ने एक फरवरी को ऑनबोर्ड कैमरे से यह तस्वीर खींची है। इस तस्वीर में शिओली क्रेटर की ढलान पर छाया दिखाई दे रही है। एसएलआईएम के एक्स अकाउंट ने स्पेक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग के लक्ष्यों की लेबल वाली तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें विभिन्न चट्टानों और रेगोलिथ को दिखाया गया है जिनके बारे में अधिक रिसर्च की जा रही है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी ने एसएलआईएम के साथ फिर से संपर्क स्थापित करने के तीन दिन बाद यह तस्वीर जारी की। टीम ने पावर को बचाने के लिए 20 जनवरी को रोबोटिक अंतरिक्ष यान को बंद कर दिया था, जोकि गलती से लैंडिंग के वक्त उलटा उतर गया था। चूंकि उस समय यान के सौर पैनल सही दिशा में नहीं थे, इसलिए लैंडर बिजली उत्पन्न करने में असमर्थ था।

शुरुआती समय में थोड़ी निराशा मिलने के बाद जापान के वैज्ञानिकों को उम्मीद थी कि कुछ दिनों के बाद सूर्य का एंगल बदल जाएगा, जिससे उसके यान का लैंडर फिर से चार्ज होकर जग सकता है। नौ दिनों के बाद ऐसा ही हुआ और एसएलआईएम जग गया। वहीं, बीते सोमवार से अंतरिक्ष यान ने मल्टी-बैंड स्पेक्ट्रल कैमरे के साथ क्रेटर के चारों ओर चट्टानों का विश्लेषण किया है। जेएएक्सए ने लैंडिंग स्थान इसलिए चुना क्योंकि यह वैज्ञानिकों को चंद्रमा के निर्माण के बारे में बता सकता है। एसएलआईएम के एक्स खाते ने एमबीसी के स्पेक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग के लक्ष्यों की लेबल वाली छवियां भी पोस्ट कीं, जिनमें विभिन्न चट्टानों और रेगोलिथ को दिखाया गया है जिनका अध्ययन किया जा रहा है। जापानी चंद्रयान को अब फिर से पुनर्जीवित करने से पहले स्पेस एजेंसी जेएएक्सए को लगभग 14.5-पृथ्वी-दिवस लंबी चंद्रमा की रात का इंतजार करना पड़ेगा, जिसकी शुरुआत 15 फरवरी के आसपास होगी। इतना ही नहीं, एजेंसी को अनुकूल प्रकाश और तापमान की स्थिति का भी इंतजार करना होगा। फिर से एक्टिव करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स को लगभग शून्य से 130 डिग्री सेल्सियस नीचे के चांद के तापमान का सामना करना होगा। हालांकि, जिस लक्ष्य के लिए जापान के यान को चांद पर भेजा गया था, उसने उतना समय और लक्ष्य हासिल कर लिया है।

अधिकारियों ने कार्रवाई में विदेशी पत्रकारों को भी हिरासत में लिया

मॉस्को, एजेंसी।
रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ रूस में बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ है। स्थानीय मीडिया आउटलेट्स की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव मुख्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया है।

प्रदर्शन को रोकने के लिए अधिकारियों ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई में मॉस्को में विदेशी प्रेस संगठनों के कई पत्रकारों को भी हिरासत में लिया गया। पुतिन के चुनाव मुख्यालय पर भारी विरोध प्रदर्शन में कई महिलाएं शामिल हैं। ये महिलाएं यूक्रेन में लड़ाई के लिए भेजे गए अपने पतियों और बेटों की घर वापसी की मांग कर रहीं है।

सीएनएन द्वारा देखे गए एक वीडियो में रूसी अधिकारियों को प्रतिष्ठित रेड स्क्वायर के पास प्रेस जैकेट पहने कई लोगों को हिरासत में लेते हुए दिखाया गया है।

27 आम लोगों को हिरासत में लिया गया

रूसी सरकार की इस कार्रवाई पर नजर रखने वाले समूह ओवीडी-इन्फो के अनुसार, कम से कम 27 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें एक प्रदर्शनकारी को जबरदस्ती पुलिस वैन में डालकर पुलिस स्टेशन के जाया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ओवीडी-इन्फो ने कहा कि उन्होंने बंदियों से मिलने के लिए एक वकील को भेजा, लेकिन उन्हें मिलने से मना कर दिया गया।

स्वतंत्र रूसी मीडिया समूह मीडियाजोना ने शनिवार को बताया कि पकड़े गए लोगों में कोमर्सेंट, फ्रांस प्रेस और स्पीगल के लिए काम करने वाले पत्रकार और साथ ही मानवाधिकार कार्यकर्ता भी शामिल हैं।

ओवीडी-इन्फो ने कहा कि रैली को कवर करने वाले अन्य सात पत्रकारों को बासमनी पुलिस स्टेशन ले जाया गया। इनमें जापानी टेलीविजन कंपनी फूजी के प्रतिनिधि आंद्रेई जिको भी शामिल हैं।

अवैध प्रवास के खिलाफ ब्रिटेन सरकार सख्त, इंग्लिश चैनल से घुसपैठ पर पूर्ण लगाम की तैयारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की सरकार इंग्लिश चैनल के जरिए अवैध घुसपैठ को लेकर अब सख्त रवैया अपना रही है। अब यहां कोई भी आसानी से चोरी-छिपे घुसपैठ नहीं कर सकेगा। इस कड़ी में स्मॉल बोट्स ऑपरेशनल कमांड (एसबीओसी) के अंतर्राष्ट्रीय संचालन के उप निदेशक कैरोल हेगिनबॉटम ने मीडिया बातचीत की है। उन्होंने बताया है कि यूके निगरानी और तकनीकी क्षमता के माध्यम से इंग्लिश चैनल के माध्यम से अवैध प्रवासी क्रॉसिंग को कम करने में सक्षम है। हेगिनबॉटम ने आगे बताया कि ब्रिटेन इंग्लिश चैनल के माध्यम से यूके में अवैध रूप से दाखिल होना सबसे खतरनाक तरीका है और इसे वह खत्म करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि कैसे लोग आपराधिक गिरोहों के चंगुल में फंसकर धोखे से इस देश में प्रवेश कर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। कैरोल हेगिनबॉटम ने कहा, पिछले साल हम संख्या में कटौती करने में कामयाब रहे। हमारे पास 26,000 लोग आए थे, जो पिछले साल की तुलना में एक अच्छी संख्या रही, लेकिन कोई भी संख्या अच्छी संख्या नहीं होती है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि अवैध घुसपैठियों के आंकड़े बिल्कुल शून्य पर आ जाएं और इसी तरकी से हम पिछले तीन सालों में चैनल के पार छोटी नावों के आने की त्रासदी पर भी काबू पा सकेंगे। बता दें कि कैरोल की यह टिप्पणी तब आई जब यूके होम ऑफिस ने दो फरवरी को एसबीओसी की टीम के साथ डोवर में एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया यात्रा का आयोजन किया था। इस यात्रा के माध्यम से, मीडिया को इंग्लिश चैनल पार करने वाले अवैध अप्रवासियों को ले जाने वाले जहाजों को प्रत्यक्ष रूप से देखने का मौका भी मिला।

लोगों से डरते हैं नवाज शरीफ, इसलिए धांधली की कोशिश कर रहे, बिलावल भुट्टो का पूर्व पीएम पर बड़ा हमला

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले बिलावल भुट्टो ने नवाज शरीफ पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वह लोगों से डरते हैं और इसलिए चुनाव में धांधली की कोशिश कर रहे हैं। शनिवार को मीरपुर खास में एक रैली को संबोधित करते हुए बिलावल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के रूप में चौथे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रहे नवाज शरीफ उनके साथ बहस करने से डरते हैं।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, बिलावल ने पूर्व प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएमएल-एन ने सिंध में एक भी रैली का आयोजन नहीं किया जो यह बताता कि उन्होंने वहां के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने नवाज का जिक्र करते हुए टिप्पणी की कि वह रायविंग में बैठकर मीरपुरखास के नतीजे तय करना चाहते

हैं। बिलावल ने कहा कि वह मीरपुरखास का वोट कैसे हड़पा जाए, इसकी साजिश रच रहे हैं।

बिलावल ने कहा कि पीएमएल-एन का इरादा पीपीपी उम्मीदवारों को हराना है और उन्होंने जनसभा में मौजूद लोगों से कहा कि क्या वे हमारा साथ देंगे। इसके अलावा, उन्होंने राजनीतिक दलों पर राजनीति में शामिल होने के बजाय व्यक्तिगत बदला लेने का भी आरोप लगाया। रैली के दौरान उन्होंने कहा कि अन्य पार्टियां देश की मदद करने के बजाय नफरत और विभाजन की राजनीति कर रही हैं।

पिछले हफ्ते रावलपिंडी में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने बिलावल का नाम लिए बिना कहा था कि एक राजनीतिक नेता और मेरे दोस्त ने कहा कि वह नवाज शरीफ के साथ बहस करना चाहते हैं।

अफगानिस्तान में महिलाओं का जीवन बना नर्क, तालिबान की कैद में मिल रही यातनाएं

काबुल , एजेंसी।
अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद वहां के हालात लगातार बिगड़ते ही जा रहा हैं। अफगानिस्तान में महिलाओं के ताजा हालातों को लेकर संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में महिलाओं, लड़कियों को मनमाने ढंग से हिरासत में रखने पर चिंता व्यक्त की है।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने दावा किया है कि तालिबान शासन की जेलों में कैद महिलाओं के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हम तालिबान से आग्रह करते हैं कि वह महिलाओं के पहनावे पर लगाए गए प्रतिबंधों को तत्काल हटाए और इस बहाने लड़कियों को हिरासत में रखने पर रोक लगाए।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, इन विशेषज्ञों ने अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंडों को लागू करने का आग्रह किया है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ सभी तरह के भेदभाव को खत्म करने का आग्रह किया है। क्योंकि अफगानिस्तान ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ड्रेस कोड के

उल्लंघन के लिए लड़कियों को जनवरी की शुरुआत में मनमाने ढंग से हिरासत में लेना शुरू किया गया था। सबसे ज्यादा पश्चिमी काबुल क्षेत्र में इन लड़कियों को हिरासत में लिया गया था। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि बामियान, दाइकुंडी, पंजशीर, बल्ख और कुंदुज प्रांतों में महिलाओं को हिरासत में लिया गया था। विशेषज्ञों ने बताया कि हिरासत में ली गई महिलाओं और लड़कियों को पुलिस थानों में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उन्हें एक दिन में केवल सिर्फ एक ही बार खाना दिया गया।

ब्लूचिस्तान पर नियंत्रण की लड़ाई, लोगों की आवाज दबाने की कोशिश कर रहा ईरान और पाकिस्तान

लंदन , एजेंसी।
बलूच नेता और फ्री बलूचिस्तान मूवमेंट के प्रमुख हिरबेयर मैरी ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि पाकिस्तान और ईरान दोनों मिलकर कब्जे वाले बलूचिस्तान में बलूच राष्ट्र के खिलाफ युद्ध अपराध कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 16 जनवरी और 18 को ईरान और पाकिस्तान दोनों ने पूर्व नियोजित युद्ध आक्रमण में निहत्थे बलूच नागरिकों के मिट्टी के घरों पर मिसाइलों और ड्रोन हमलों से बमबारी की, जिसमें 12 बलूच शहीद हो गए। साथ ही महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित कई अन्य घायल हो गए। बलूच नेता ने कहा कि हम अपनी मर्जी से कभी भी ईरान और पाकिस्तान में शामिल नहीं हुए। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान और उसके बाद सैन्य आक्रमण द्वारा बलूचिस्तान पर कब्जा कर लिया। मैरी ने

आगे कहा कि एक गलत धारणा के तहत, ईरानी और पाकिस्तानी दोनों शासक सोचते हैं कि बलूच लोग एक छोटा सा असंगठित राष्ट्र हैं। वे आक्रामक नियंत्रण नीति के तहत उन्हें आसानी से दबा सकते हैं और अपने अधीन कर सकते हैं। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह भ्रम समाप्त होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, हम 40 मिलियन से अधिक लोग हैं जो हजारों वर्षों से अपनी धरती पर रह रहे हैं और 1666 से एक राष्ट्र राज्य के रूप में रह रहे हैं। लेकिन हमारे दुश्मनों की समस्या यह है कि वे धार्मिक कट्टरपंथी हैं, वे वास्तविकता का सामना नहीं कर सकते। बलूच नेता ने संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे 40 मिलियन से अधिक बलूच लोगों के खिलाफ पाकिस्तानी और ईरानी युद्ध अपराधों को नजरअंदाज न करें और उन अपराधों की जांच के लिए एक तथ्य-खोज मिशन बनाएं जो ईरान और पाकिस्तान दोनों दशकों से बलूच राष्ट्र के खिलाफ लगातार कर रहे हैं।

यूके ने अपने नागरिकों को दी सलाह, न करें अफगानिस्तान की यात्रा, आतंकी हमले की जताई संभावना

लंदन, एजेंसी। यूके के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने ब्रिटिश नागरिकों को अफगानिस्तान की यात्रा न करने की सलाह दी है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट ने जानकारी दी है। एफसीडीओ के एक बयान के अनुसार, रमजान के महीने के दौरान अफगानिस्तान में ब्रिटिश नागरिकों को हिरासत में लिए जाने का काफी जोखिम है और आतंकवादियों द्वारा हमले करने की कोशिश करने की बहुत संभावना है। बयान में कहा गया है, आपको अफगानिस्तान की यात्रा नहीं करनी चाहिए। आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान में हमले करने की कोशिश करने की बहुत संभावना है। यह आतंकवादी हमलें धार्मिक स्थलों पर या उसके आसपास और रमज़ान के महीने जैसे धार्मिक आयोजनों और समारोहों के दौरान हो सकती है। बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति अस्थिर है। हवाईअड्डों सहित पूरे अफगानिस्तान में आतंकवादी हमलों का खतरा बना हुआ है। ब्रिटिश नागरिकों को हिरासत में लिए जाने का बड़ा खतरा है। हालांकि, टोलो न्यूज के अनुसार, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि देश में सुरक्षा सुनिश्चित की गई है और विदेशी

मप्र के मोहन राज में धमक की जरूरत....

राकेश अचल

कोई माने या न माने किन्तु हकीकत ये है कि बीते 50 दिन में जनता में ये धारणा बनी है कि प्रदेश की सरकार केंद्रीय रिमोट से चल रही है ,जबकि शायद इसमें सत्यता नहीं है। चूंकि सरकार की धमक सुनाई नहीं दे रही है शायद इसीलिए इस तरह की धारणाएं जन्म ले रहीं हैं।

मप्र में मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोहन यादव को काम करते हुए लगभग 50 दिन पूरे हो गए हैं ,लेकिन अभी तक सूबे में उनकी सरकार की धमक सुनाई नहीं दे रही है। दो महीने का समय प्रशासनिक सर्जरी करने और जन आशीर्वाद यात्राओं में ही खर्च हुआ है। इस वजह से प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति चरमराती नजर आ रही है,साथ ही प्रदेश की जनता में नैराश्य भाव झलकने लगा है।

मध्यप्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था के साथ ही दूसरे सभी क्षेत्रों पर शिवराज सिंह चौहान की छाप है ,क्योंकि उन्होंने एक लम्बे आरसे तक प्रदेश पर शासन किया। सचिवालय से लेकर जिला स्तर पर प्रशासन और पुलिस में न सिर्फ शिवराज सिंह के गण मौजूद थे बल्कि उनकी धमक भी सुनाई दे रही थी । नए मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोहन यादव को सबसे पहले इसी असर को समाप्त करना चाहिए था । उन्होंने इस दिशा में काम शुरू भी किया ,लेकिन अभी उसका असर दृष्टिगोचर नहीं हो रहा है। सूबे की नई सत्ता पर प्रशासन का रंग चढ़ने में काफी वक्त लग रहा है ,।

नयी सरकार में नया तलाशना कठिन हो रहा है क्योंकि अभी कोई नवाचार शुरू ही नहीं हो पाया है । पहले की ही तरह भोजन,बैठके और विश्राम की श्रंखला सामने है। मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की वाडी लेंग्वेज पढ़ने में अभी नौकरशाही कामयाब नहीं हुई है। मुख्यमंत्री ने शीर्ष स्तर पर प्रशासनिक सर्जरी कर ली है किन्तु उसका फौरी असर दिखना अभी बाकी है। प्रशासन में तब्दीली का अहसास करने के लिए सन्देश सचिवालय से सड़क तक पहुंचना आवश्यक है।

हकीकत ये है कि बीते 18 साल में मध्यप्रदेश के चप्पे-चप्पे पर मामा शिवराज सिंह की छाप गहरा गयी थी। इस छाप से प्रदेश को मुक्त करना आसान काम नहीं है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के समाने सबसे बड़ी चुनौती इसी छाप से मुक्ति की है। इसके लिए संभागवार या क्षेत्रवार कार्ययोजना बनाकर कामयाबी हासिल की जा सकती है। इस समय प्रदेश की वित्तीय स्थिति बहुत खराब है ऐसे में सरकार पर अपनी छाप बनाना भी आसान काम नहीं है। स्थानीय निकायों की हालत गौर करने लायक है। एक तरह से इन संस्थाओं के पास वेतन देने का भी पैसा नहीं है ऐसे में नागरिक सुवधाओं की बहाली करना आसान नहीं है जबकि सरकार की छवि इन्हीं संस्थाओं के कामकाज पर निर्भर करती है। मुमकिन है की सरकार इस दिशा में कुछ सोच रही हो।

मध्यप्रदेश की नयी सरकार के सामने नयी चुनौतियों के साथ ही मंत्रियों का फौज-फांटा भी नया है। उसे सक्रिय करना आसान काम नहीं है । ऊपर से नए-पुराने छत्रपों को साधते हुए सरकार को लोकसभा चुनावों की तैयारी भी करना है। ये तय है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव को लोकसभा चुनाव में प्रदेश के अलावा प्रदेश के बाहर भी इस्तेमाल किया जाएगा ,ऐसे में उन्हें अभी से अपना सेकेण्ड हैण्ड बनाकर तैयार कर लेना चाहिए जो उनके इशारों को समझे और उनकी व्यवस्तता के बीच उनकी योजनानुसार सत्ता की मशीनरी को गतिशील बनाये रखे। इस काम में शिथिलता दिक्क्तें पैदा कर सकती है।

अभी तक प्रदेश की नौकरशाही और पुलिस फुल फार्म में काम करती नजर नहीं आ रही है । कहीं न कहीं कोई न कोई असमंजस है। इस असमंजस से उबरे बिना काम नहीं चलने वाल। नयी सरकार को पुरानी सरकार की तरह विज्ञापनबाजी से झांकी बनाने की गलती करने के बजाय जमीनी कामों पर ध्यान देना चाहिए। विज्ञापनों से अखबार के मालिकों का पेट भरता है जनता का मन नही। जनता का मन भरने के लिए वास्तविक कामों की आवश्यकता है। ये मुख्यमंत्री जी को तय करना होगा कि वे मामा मुख्यमंत्री की तरह लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं या मप्र के लौहपुरुष बनकर । उनके सामने दोनों विकल्प हैं ,चुनाव उन्हें खुद करना है।

मप्र के अनेक हिस्सों में पिछले दिनों जिस तरह से महिलाओं के साथ अपराधों की बढ़ आयी है, नैराश्य के कारण सामूहिक आत्महत्याओं की दुखदायी घटनाएं हुईं हैं उन्हें देखते हुए प्रदेश के दो बड़े शहरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली सवालों के घेरे में आयी है। ग्वालियर जिले में तो सामूहिक बलात्कार और सामूहिक आत्महत्या की घटनाओं से जनाक्रोश बढ़ा दिया है। इन घटनाओं की पुनरावृत्ति लगातार हो रही है । अशोकनगर में भी सामूहिक आत्महत्या की हृदयविदारक घटना सामने आयी है। इससे जन विश्वास हिल रहा है। नयी सरकार को इन सबके बारे में गंभीता से सोचना होगा।

कोई माने या न माने किन्तु हकीकत ये है कि बीते 50 दिन में जनता में ये धारणा बनी है कि प्रदेश की सरकार केंद्रीय रिमोट से चल रही है ,जबकि शायद इसमें सत्यता नहीं है। चूंकि सरकार की धमक सुनाई नहीं दे रही है शायद इसीलिए इस तरह की धारणाएं जन्म ले रहीं हैं। इन धारणाओं से मुक्ति के लिए सरकार के सामने दो ही विकल्प हैं ,पहला ये कि वो पुरानी सरकार की लोकप्रियता से आगे जाने के लिए कोई अल्पकालिक लोकोपयोगी करतब कर दिखाए और दूसरा इस तरह कि कार्यशैली विकसित करे जो पुरानी सरकार कि कार्यशैली से सर्वथा भिन्न और चमकदार हो। मुख्यमंत्री को नौकरशाही को भी अभयदान देकर काम करने की आजादी देना होगी।

संपादकीय

भ्रष्टाचार एजेंडे पर नहीं

ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल की जो कसौटियां आज हैं, वही दस साल पहले भी थीं। प्रश्न है कि अगर इन कसौटियों पर तैयार भ्रष्टाचार सूचकांक से उभरी सूरत को लेकर तत्कालीन सरकार की जैसी भ्रष्ट छवि बनी थी, तो आज वैसा ही क्यों नहीं हो रहा है?भारत भ्रष्टाचार अवधारणा के सूचकांक पर भारत एक साल में आठ अंक गिर गया। लेकिन यह खबर मीडिया की सुर्खियों में उस तरह से नहीं आई है, जैसा दस साल पहले होता था। तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का नैरेटिव बनाने में अंतरराष्ट्रीय संस्था ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल (टीआई) की रिपोर्टों ने बड़ी भूमिका निभाई थी। लेकिन अब जबकि अंतरराष्ट्रीय सूचकांक में गिर कर भारत फिर लगभग दस साल पहले जितने ही स्थान पर पहुंच गया है, तब इसको लेकर शायद ही कोई शोरगुल है। गौरतलब है कि 2012 में भारत टीआई सूचकांक में 94वें नंबर पर था। ताजा जारी 2023 के सूचकांक में वह 93वें स्थान पर है। यानी भारत को आज लगभग उतना ही भ्रष्ट देश समझा जा रहा है, जितना 12 साल पहले समझा गया था। टीआई के सूचकांक में कई खामियां हैं। इनमें सबसे बड़ी खामी यह है कि इसे सिर्फ पब्लिक सेक्टर में मौजूद भ्रष्टाचार से बनी अवधारणा के आधार पर तैयार किया जाता है। जबकि अर्थव्यवस्था के अधिक से अधिक निजीकरण होने के साथ निजी क्षेत्र में होने वाला भ्रष्टाचार सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाला बड़ा पहलू बनता चला गया है।फिर नीतिगत मामलों में चुनावी चंदे और मोनोपॉली घरानों के सरकारों पर बढ़ते नियंत्रण का पहलू भी अहम हो गया है। इन व्यवस्थागत पहलुओं का आकलन टीआई की रिपोर्टों में प्रतिबिंबित नहीं होता है। बहरहाल, टीआई की जो कसौटियां आज हैं, वही दस साल पहले भी थीं। प्रश्न है कि अगर इन कसौटियों पर तत्कालीन सरकार की भ्रष्ट छवि बनी थी, तो आज वैसा ही क्यों नहीं हो रहा है? संभवतः इसका एक कारण राजनीतिक कथानक तैयार करने के माध्यमों पर सत्ता पक्ष का कसता गया शिकंजा है। साथ ही सिविल सोसायटी के संगठन या तो अपने राजनीतिक रुझानों की वजह से चुप हो गए हैं, या फिर वे इतने भयभीत हैं कि वे उन्हीं मुद्दों पर अब नहीं बोलते, जिनको लेकर एक समय वे अतिशय वाचाल होते थे। जबकि इस दौरान देश में पारदर्शिता और धुंधली हुई है। इसके बावजूद इस पर समाज आंदोलित नहीं है, तो यह भारतीय समाज पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है।

चिंतन-मनन

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है।

अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत, चित एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं।

मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो।

अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं।

अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएंगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख-शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

भारतीय राजनीति के महारथी लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न

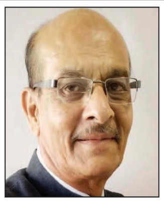

सनत जैन

भारत सरकार ने भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को 97 साल की उम्र में भारत रत्न की उपाधि देने का निर्णय किया है। भारतीय जनता पार्टी के तीसरे ऐसे बड़े नेता हैं। जिन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई तथा जनसंघ के नाना जी देशमुख को भारत रत्न की उपाधि से पहले ही नवाजा जा चुका है।

कुछ दिन पहले ही भारत सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की घोषणा की है। 12 दिन बाद लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा की है। भारत रत्न की सूची में लालकृष्ण आडवाणी का 32 वां नंबर होगा। लालकृष्ण आडवाणी का जन्म कराची में हुआ था। विभाजन के बाद वह भारत आए ,और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर जनसंघ और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य बने। उन्होंने राजनीति में नई-नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। 1984 में भारतीय जनता पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही थी। उसके मात्र दो सांसद चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। तब लालकृष्ण आडवाणी ने एक नई भूमिका में आए। उन्होंने गुजरात के सोमनाथ से अयोध्या तक राम रथ यात्रा निकाली, और पूरे देश की राजनीति को बदलने का काम किया। 1991 में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में जो चुनाव हुआ। उसमें भाजपा 120 सीट पर चुनाव जीती।चुनाव के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पेरंबदूर में हत्या हो जाने के बाद, दूसरे चरण के चुनाव में भाजपा को जो सफलता मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल पाई। केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार नरसिम्हा राव के नेतृत्व में बनी। लालकृष्ण आडवाणी कट्टर हिंदुत्व का चेहरा लेकर भारतीय राजनीति में सक्रिय रहे। हिंदुत्व की राह पर चलकर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को फर्श से अर्श तक पहुंचने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। राम जन्मभूमि मंदिर के आंदोलन में उन्होंने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया था। बाबरी मस्जिद के विध्वंस के समय वह अयोध्या की बाबरी मस्जिद में उपस्थित थे। जब यह मामला न्यायालय तक पहुंचा, तो उन्होंने बावरी मस्जिद के विध्वंश की जिम्मेदारी लेने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वह कारसेवकों को मस्जिद तोड़ने से रोक रहे थे। राम मंदिर निर्माण को लेकर जो श्रेय उन्हें मिलना चाहिए था,वह उन्हें नहीं मिला। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर उन्हें आमंत्रण पत्र श्री राम जन्म निर्माण समिति द्वारा नहीं भेजा गया था। जब इसकी आलोचना शुरू हुई, तब उन्हें निमंत्रण भेजा गया। आमंत्रण के साथ यह भी कहा गया कि उनकी उम्र काफी हो गई है। वह प्राण प्रतिष्ठा के समारोह में ना आएं। यह लालकृष्ण आडवाणी के लिए सदमा था, जिस राम मंदिर के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन निछावर कर दिया। उस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर उनसे कहा गया, कि वह ना आएं। रही सही कसर जब भारत सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की। उसके बाद लालकृष्ण आडवाणी और उनके समर्थक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक बड़ा वर्ग, इस बात से नाराज था। लालकृष्ण आडवाणी की उपेक्षा भारत सरकार द्वारा की जा रही है। कुछ माह पश्चात लोकसभा के चुनाव होने हैं। इसको ध्यान में रखते हुए डैमेज कंट्रोल करने के लिए भारत सरकार ने लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा की। राजनीतिक हल्का में इस बात की चर्चा है, विशेष रूप से भाजपा के अंदर। लालकृष्ण आडवाणी ने अपने पूरे जीवन भर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को प्रधानमंत्री बनाने के लिए उन्होंने दावा नहीं किया। उप प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने एक लोह पुरुष के रूप में अपनी छवि बनाई। गुजरात के गोधरा दंगों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई, मुख्यमंत्री पद से नरेंद्र मोदी को हटाना चाहते थे। उस समय भी लालकृष्ण आडवाणी, गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के बचाव में चट्टान की तरह खड़े हो गए थे। वर्तमान में लालकृष्ण आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के मार्गदर्शक मंडल के सबसे वयोवृद्ध सदस्य हैं। उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर सभी क्षेत्रों में स्वागत किया जा रहा है। इसका एक सबसे बड़ा कारण यह भी है, केंद्र की सत्ता में रहते हुए उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के साथ सद्भाव बनाते हुए भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसकी प्रशंसा सभी राजनीतिक दल आज भी करते हैं। 2013 में जब भारतीय जनता पार्टी में प्रधानमंत्री पद को लेकर नेतृत्व की जो तनातनी चल रही थी। उसमें भाजपा के सहयोगी राजनीतिक दलों द्वारा ,लालकृष्ण आडवाणी की जो कट्टर हिंदू वाली छवि थी। वह तब तक बदल चुकी थी। नीतीश कुमार जैसे नेता चाहते थे कि लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी चुनाव लड़े। लालकृष्ण आडवाणी कट्टर हिंदूवादी होते हुए भी, भारतीय लोकतंत्र के सबसे बड़े संरक्षक के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल रहे हैं। उन्होंने नैतिकता के साथ राजनीति की है। हवाला कांड में जब उनका नाम सामने आया था, उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। सरकार द्वारा लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर सभी राजनीतिक दलों द्वारा उन्हें बधाई दी गई है। भारतीय राजनीति में वह एक ऐसे चेहरे हैं, जिन्होंने सभी उतार चढ़ाव में भारतीय लोकतंत्र के हितों का संरक्षण करने के लिए हर संभव योगदान दिया।

पूनम पाण्डे का आहत करने वाला घटिया पब्लिक स्टंट

ऋतुपर्ण दवे

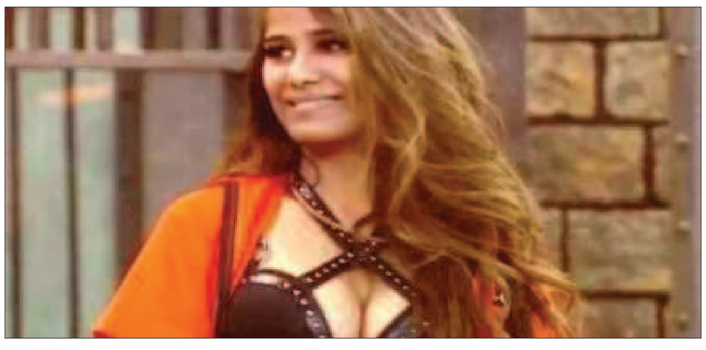

ऐक्ट्रेस पूनम पाण्डे जिन्दा है। ईश्वर करे अपनी मौत की अफवाह उड़ा शोहरत बटोरने वालीअदाकारा स्वस्थ और सकुशल रहे। लेकिन उसकी इस हरकत की जितनी भी निंदा की जाए, कम है।सर्वाइकल कैंसर के नाम पर जागरूकता की आड़ में उसके इस भद्दे मजाक से कितने प्रशंसकों को धक्का लगा होगा इसका अंदाजा उसे नहीं। कैसे भूल गई वो एक भारतीय है। भावना प्रधानउस देशसे है जहां लोग दिल से जुड़ते हैं, दिखावा नहीं करते,पूनम जैसा छलावा नहीं करते। कभी उन्हें कैंसर जैसी भयानक बीमारी का सामना भी न करना पड़े। लेकिन उनकी हल्की सोच और जागरूकता की आड़ में खेले गए खेल ने कैंसर पीड़ितों औरउनके लिए जुड़े-जुटे लोगों को कितना आहत किया है? शायद इसका अंदाजा भी पूनम को नहीं होगा। अपनी ओर ध्यान खींचने के लिए पहले किसी ने ऐसी जुर्रत की हो, याद नहीं आता।

क्या पूनम की इस छिछोरे झूठ से वाकई में कैंसर की प्रति जागरूकता फैला पाएगी? कैंसर मरीजों या पीड़ित मानवता के प्रति इतनी ही हमदर्दी होती तो दूसरे चैरिटेबल काम कर आर्थिक मदद पहुंचाती। जागरूकता के लिए जहां-तहां अपने शो करतीं जो कैंसर के खिलाफ और बचाव के लिए कारगर मुहिम होती। लेकिन ये क्या? उन्होंने तो पूरे देश के साथ एक तरह से धोखा किया, वह भी अपनी ओर ध्यान खींचने के लिए। यह असहनीय है।

पूनम कैसे भूल गई कि ये वो देश है जहां किरदार को भी भगवान की तरह पूजा जाता है। उसे कैसे याद नहीं कि लोकप्रिय सीरियल और फिल्मों के भगवान बने पात्रों कोभी पूजा जाता है। इस हरकत से पहले कैसे भूल गई कि लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचे अभिनेताओं की मौत से आहत न जाने कितने प्रशंसकों ने अपनी जान तक दे दी। यूँ तो कई उदाहरण हैं पर एक ही यहाँ काफी है जहां दिग्गज तमिल अभिनेता से मुख्यमंत्री के मुकाम तक पहुंचे एमजी रामचंद्रन की 24 दिसंबर, 1987 को मृत्यु के बाद तमिलनाडु दहल उठा। हर कोई दुखी था और हाहाकार मचाहुआ था।लोग इतने आहत कि किसी ने अपनी नसें काट लींतो किसी ने जहर पी लिया। कइयों ने अपनी उंगली और जीभ तक काट डाली। दुखी लोगों के एमजीआर घर के सामने रोने-चिल्लाने का रिकॉर्ड भी बना। माना कि यह एक सार्वजनिक उन्माद था जिसमें आत्महत्याओं के अलावा, एमजीआर की मौत के बाद भड़के लोगों परहुई फायरिंग से 29 और मौतेंभी हुईं।अच्छा हुआ कि फरेबी पूनम शोहरत के उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाई थी वरना उसकी यह खलनायकी कितनी भारी पड़ती?

पूनम की हद दर्जे की ढ़िठाई देखिए। इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए अपने जिंदा होने का सबूत भी खुद देतीहै कि उसे कैंसर नहीं है। उसने तो सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ जागरूकता के लिए ऐसा किया। जिस सोशल मीडिया पर उनके फैन उनकी मौत का गम मना, अंतिम संस्कार का स्थान पता कर रहे थे वही अब उसे ट्रोल कर रहे हैं। उसी सोशल मीडिया पर उसके प्रति नफरत भरी न जाने कितनी पोस्ट घूम रही हैं। फिल्म इण्डस्ट्री भी भौंचक है। कई सितारे तक नाखुश हैं और खरी-खोटी सुना रहे हैं। इंडियन फिल्म एंड टीवी डायरेक्टर्स एसोसिएशन ने सख्त कार्रवाई की मांग तक की है। वाकई में पूनम पाण्डे ने उन सभी का मजाक उड़ाया हैजो सर्वाइकल कैंसर या दूसरे कैंसर से जूझ रहे हैं। यकीनन कैंसर घातक, जानलेवा और बेहद तकलीफदेह बीमारी है।केन्द्र और राज्य सरकारों के साथ चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ पूरे मनोयोग से कैंसर रोगियों के लिए रात-दिन जुटे रहते हैं। पूनम का यह झूठ उन सभी पर मजाक जैसा है। क्या अकेले पूनम को ही बड़ी चिन्ता है?उसके फर्जी पीआर स्टंट से ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन भी खासा नाराजहै जिसने फेक पीआर स्टंट को बेहद घटिया बताया। भला पब्लिसिटी के लिए मौत की झूठी अफवाह को लोग कैसे स्वीकारें? ऐसी घटिया हरकत किसी सेलेब्रिटी ने की हो याद नहीं आता है।

अपनी शोहरत के लिए हमेशा चचाओं में बना रहना पूनम का शगल है। अजीबो गरीब कारनामों के लिए चर्चित पूनमने प्रसिध्द निमार्ता, निर्देशक सैम अहमद बॉम्बेको ढाई साल तक डेट किया उसके बाद 10 सितंबर 2020 को गुपचुप शादी कर ली। दोनों हनीमून मनाने के लिए गोवा गए जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूबसाझा की। लेकिन शादी के महज 13दिन में ही दोनों के बीच इतना झगड़ा हुआ कि उनके पति सैम को जेल की हवा खानी पड़ी और आईपीसी की धारा 353, 506 और 354 के तहत मामला तक दर्ज हो गया।

ग्लैमर की इस चकाचौंध भरी इंडस्ट्री में पूनम पांडे का नाम अनेकों लोगों के साथ जुड़ाफिर भी उसका फिल्मी कैरियर ज्यादा सफल नहीं रहा।इतना ही नहीं उसकेग्लैमर और बोल्डनेस के मिक्स अप ज्यादा नहीं चल पाए तो समाज सेवा का झूठा दिखावा करने के लिए ऐसे पब्लिसिटी स्टंट उतर आई? लगता नहीं कि इन दिनों कहीं ओटीटी प्लेटफार्म तो कहीं छोटे-बड़े पर्दे पर ध्यान खींचने खातिर कलाबाजियों का दौर चल रहा है।

अभी कुछ दिन पहले बिग बॉस 17में अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अपने बिजनेसमैन पति विक्की जैन के साथ पहुंची थीं।जहां दोनों के बीच काफी बवाल हुआ और रिश्ता सुर्खियों में बना रहा।ये लड़ाई इनके घरों तक भी पहुंची। अंकिता की सास रंजना जैन ने फैमिली वीक में बिग बॉस हाउस में एंट्री की और काफी खरी-खोटी सुनाई। यहां मेरा यह बताना जरूरी है कि विक्की का बचपना (दो-ढ़ाई साल की उम्र तक) मैने अपने सामने देखा, उसे गोद में भी खिलाया। उसके पिता मेरे नगर में शासकीय विभाग में बड़े पद पर रहे।मैं उनके साथ एक प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था में बड़ी जिम्मेदारी में था। वहीं विक्की की माँ रंजना जैन भी उसी संगठन की महिला विंग की अध्यक्ष रहीं जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ संगठन को चोटी पर पहुंचाने के प्रबंधन में हमेशा अव्वल रहतीं।यह सब मैने करीब से देखा। उनकी मेहनत से चमके भाग्य ने सबको ऊंचाई पर पहुंचाया। यहां पूनम पाण्डे से ठीक उलट रंजना जैन पर उनके स्वाभाव से इतर सोशल मीडिया पर खूब आलोचना और कटाक्ष किए गए। मैं दावे से कह सकता हूँ कि रंजना जैन बेहद समझदार, पारिवारिक महिला हैं जो शिखर पर पहुंच कर भी सामान्य हैं। अब विक्की भी दोनों की भावनाओं को समझता है जो परवरिश का ही असर है। उसने अपनी माँ के पक्ष में सफाई भी दी है। स्क्रीन पर रंजना जैन ने जो कहा या किया वह उनकी रियल फीलिंग्स थीं न कि सुर्खियां बटोरने का स्टंट।

काश पूनम पाण्डेभी समझ पाती कि उसका कुल जमा छोटा सा कैरियर है। ऐसे दांव-पेंच में उलझना ठीक नहीं। उसे अपनी गलती का अहसास हुआ या नहीं, नहीं पता। लेकिन रंजना जैन से उसे इस इण्डस्ट्री में काफी कुछ सीखने मिल सकता है कि किस तरह एक गृहिणी और माँके रूप में घर, परिवार, समाज और देश-दुनिया के सामने अपना वास्तविक पक्ष बेझिझक होकर मजबूती से रखा जाता है। बस ईश्वर से प्रार्थना है कि दोबारा पूनम पाण्डे पब्लिसिटी स्टंट के लिए कोई नया अजूबा फिर न कर बैठे।

राजनीति में आये अभिनेता विजय बनेंगे नायक या खलनायक

तमिलनाडु की सियायत में सितारों की इंट्री का लंबा इतिहास रहा है। अब तमिल अभिनेता विजय ने भी अपनी पार्टी बनाकर राजनीति में आने का फैसला कर लिया है। सुपरस्टार की छवि रखने वाले विजय को नई पारी में जीत मिलेगी, वे नायक बनकर उभरेंगे या फिर मौजूदा दलों के लिए बाधा बनकर उभरेंगे, यह तो समय ही तय करेगा। यहां बतलाते चलें कि सुपरस्टार विजय ने राजनीतिक पार्टी तो बना ली है, लेकिन वो साल 2024 के आम चुनावों में हिस्सा नहीं लेंगे। वैसे आम चुनाव से पहले विजय ने पार्टी का ऐलान करके राज्य की राजनीति को ताजा हवा का झोंका तो दे ही दिया है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि उन्होंने साफ किया है कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव नहीं बल्कि 2026 में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। तमिलनाडु की राजनीति में सितारों की बात करें तो एमजीआर, के करुणानिधि और जयललिता ने लगभग 50 वर्षों तक राज्य की राजनीति पर हुक्म चलाया। अभी भी करुणानिधि द्वारा बनाई गई डीएमके सत्ता में है। एम के स्टालिन राज्य के सीएम हैं। उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन को उनके उत्तराधिकारी के तौर पर भी देखा जा रहा है। बता दें कि एक्टर विजय ने ऐसे वक्त पर पार्टी बनाई है राज्य में डीएमके सत्ता में है और एआईएडीएमके खेमों में बंटी हुई है। अभिनय से राजनीति में आए विजयकांत का निधन हो चुका है। रजनीकांत स्वास्थ्य कारणों से अब राजनीति में सक्रिय नहीं है, तो वहीं केंद्र की सत्ता का काबिज बीजेपी राज्य में पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई को मोर्चे पर लगाकर राज्य में अपनी पैठ बनाने में जुटी है। हालांकि अभिनेता विजय की पार्टी को लेकर चर्चा यह भी हो रही है कि 2026 को चुनावों में लड़ाई युवा और नए चेहरों के बीच ही होगी। ऐसे में राजनीतिक विश्लेषक यही कह रहे हैं कि विजय राजनीति में किसके लिए नायक और किसके लिए खलनायक बनते हैं यह देखने वाली बात होगी।

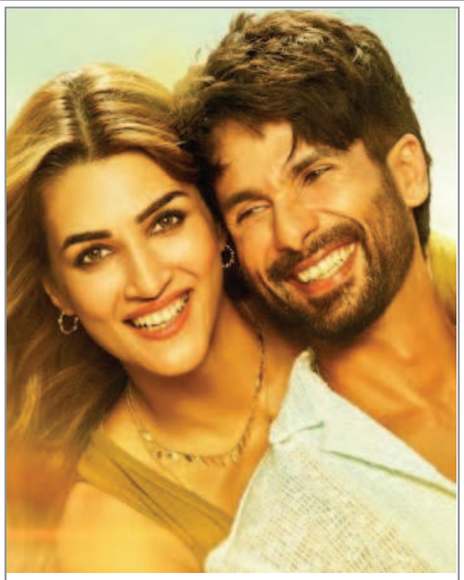

शाहिद कपूर और कृति सेनन चर्चाओं में

आजकल अपनी आने वाली फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को लेकर अभिनेता शाहिद कपूर और अभिनेत्री कृति सेनन चर्चाओं में हैं। इस रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म में शाहिद की जोड़ी कृति के साथ पहली बार बनी है। इस बीच फिल्म का तीसरा गाना रिलीज हो गया। इसका टाइटल 'तुम से' है। गाने में शाहिद और कृति एक-दूसरे के प्यार में डूबे नजर आ रहे हैं। इसे सचिन-जिगर, राघव चैतन्य और वरुण जैन ने मिलकर गाया है। गाने के बोल इंद्रनील ने लिखे हैं। गाने को टी-सीरीज यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इससे पहले फिल्म के दो गाने 'लाल पीली अखियां और अखियां गुलाब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। फिल्म का डायरेक्शन अमित जोशी और आराधना साह ने मिलकर किया है। पिछले दिनों फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें शाहिद रोबोट बनीं कृति के प्यार में डूबे नजर आए। फिल्म में गुजरे जमाने के दो दिग्गज स्टार धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया भी हैं।

कैलिफोर्निया हवेली से बाहर हो गए प्रियंका-निक

हालीवुड गायक निक जोनस और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस अपनी भव्य कैलिफोर्निया हवेली से बाहर चले गए हैं। दोनों के सपनों के घर में पानी के कारण फफूंद लग गई। इस वाकये के बाद कानूनी लड़ाई शुरू हो गई, जो अभी भी चल रही है। हालांकि, मई 2023 में दायर एक मुकदमे की एक प्रति के अनुसार पूल और स्पा ने अप्रैल 2020 के आसपास परेशानी पैदा करनी शुरू की दी, जिसमें वॉटरप्रूफिंग भी शामिल थी, जो मोल्ड संदूषण और संबंधित मुद्दों को बढ़ावा देती थी। लगभग उसी समय, डेक पर बारबेक्यू क्षेत्र में पानी का रिसाव दिखा। शिकायत में कहा गया है, इस रिसाव से डेक के ठीक नीचे आंतरिक रहने वाले क्षेत्र का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

रिपोर्ट के अनुसार घर की समस्याओं ने कथित तौर पर परिसर को रहने के लिए लगभग अनुपयुक्त और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से खतरनाक बना दिया है। इसके परिणामस्वरूप विचार की विफलता के साथ-साथ पर्याप्त और महत्वपूर्ण क्षति हुई है, जिसके लिए आवश्यक है कि खरीद और बिक्री को रद्द कर दिया जाए, मुकदमे में आगे यह भी कहा गया है कि जोनास और चोपड़ा अपने ट्रस्टी के माध्यम से क्षति की मांग कर रहे हैं। उनके वकील आगे तर्क देते हैं, विकल्प में वादी को मरम्मत की सभी लागतों की प्रतिपूर्ति की जानी चाहिए, साथ ही प्रतिवादियों के आचरण के कारण उपयोग के नुकसान और अन्य क्षति के लिए मुआवजा दिया जाना चाहिए।

सटीक लागत अभी तक निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन शिकायत के अनुसार, वॉटरप्रूफिंग मुद्दे 1.5 मिलियन डॉलर से अधिक होंगे और सामान्य क्षति लगभग 2.5 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है। बता दें कि इस जोड़े ने सितंबर 2019 में 20 मिलियन डॉलर में लग्जरी संपत्ति खरीदी, जिसमें सात बेडरूम, नौ बाथरूम, एक शेफ की रसोई, तापमान नियंत्रित वाइन रूम, एक इनडोर बास्केटबॉल कोर्ट, इंटीरियर बॉलिंग एली, एक होम थिएटर, एक मनोरंजन लाउंज, स्टीम शॉवर के साथ स्पा, जिम और बिलियर्ड्स रूम है।

चंदू चैंपियन की फाइनल शूटिंग पूरी

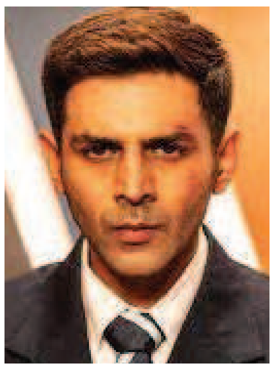

ब्लॉकबस्टर चंदू चैंपियन की आख़िरकार फाइनल शूटिंग पूरी हो चुकी है! साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा प्रस्तुत कार्तिक आर्यन अभिनीत इस फिल्म में कार्तिक आर्यन का चौंकाने वाला बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन फिल्म का आकर्षक हिस्सा है! चंदू चैंपियन फिल्म में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के तीन बड़े नाम हैं – साजिद नाडियाडवाला, कबीर खान, और कार्तिक आर्यन साथ आएं हैं, इनका साथ आना दर्शकों के उत्साह को एक अलग लेवल पर लेकर जा रहा है. ये कहना गलत नहीं होगा कि ये साल की सबसे बेसबरी से इंतज़ार की जाने वाली फिल्म है, और अब उसने अपनी शूटिंग को ख़त्म कर लिया है।

इसके अलावा, फिल्म कार्तिक आर्यन को सिल्वर स्क्रीन पर पहले कभी न देखे गए अवतार को पेश करेगी और उनका चौंकाने वाला बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन दर्शकों को हैरान करने की गारंटी देता है। तो है न यह फिल्म में दर्शकों के लिए देखने लायक एक जबर्दस्त आकर्षण। कार्तिक और कबीर के पहले कोलैबोरेशन को दर्ज करते हुए, ये फिल्म साजिद नाडियाडवाला के साथ सत्यप्रेम की कथा की ब्लॉकबस्टर के बाद एक्टर की दूसरी फिल्म है। तीनो एक दिलचस्प सच्चाई पर आधारित कहानी के साथ जुड़ रहे हैं, जिसने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया था।

घटती कमाई के बावजूद फाइटर ने 150 करोड़ का आंकड़ा किया पार

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, जिस तरह से फिल्म को लेकर हो-हल्ला मचा हुआ था, इसने बॉक्स ऑफिस पर उस तरह का प्रदर्शन नहीं किया। फिल्म कहानी और किरदारों से कहीं ज्यादा अपने एरियल एक्शन को लेकर चर्चा में है। फिल्म ने 22 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था। आइए जानते हैं अब तक यह फिल्म कितने करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। फाइटर ने अपनी रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को जहां 6 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं 9वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को फिल्म की कमाई में और गिरावट दर्ज की गई। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फाइटर ने 5.35 करोड़ रुपये अपने खाते से जोड़े और इसी के साथ भारत में फिल्म ने 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसकी कमाई लगभग 151.85 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। करीब 250 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म 9 दिनों में अब कहीं जाकर अपनी लागत वसूल पाई है। दुनियाभर में इस फिल्म ने अब तक कुल 253 करोड़ रुपये कमाए हैं। बॉक्स ऑफिस पर लगातार घट रही फिल्म की कमाई देख यह तो साफ है कि बॉक्स ऑफिस पर फाइटर का प्लेन बुरी तरह लडखड़ा गया है और 200 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने के लिए इसे कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख और आशुतोष राणा जैसे सितारे भी फाइटर का हिस्सा हैं। उधर ऋषभ साहनी फिल्म के विलेन हैं। फाइटर का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है, जिन्होंने पिछली बार शाहरुख खान संग पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी थी। ऋतिक की फिल्म वॉर और बैंग बैंग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। फाइटर के जरिए ऋतिक-सिद्धार्थ तीसरी बार साथ आए हैं। फिल्म 25 जनवरी को रिलीज हुई थी। ऋतिक को जल्द ही फिल्म वॉर 2 में देखा जाएगा, जिसके निर्देशन की कमान इस बार निर्देशक अयान मुखर्जी को सौंपी गई है। फिल्म में साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। फिल्म में उन्हें ऋतिक के साथ दो-दो हाथ करते देखा जाएगा। उधर दीपिका की फिल्म सिंघम अगेन कतार में हैं। इसके अलावा प्रभास और अमिताभ बच्चन के साथ पैन इंडिया फिल्म कल्कि 2898 एडी भी उनकी आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है।

अगस्त में शुरू हो सकती है डॉन 3 की शूटिंग!

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म डॉन 3 की शूटिंग अगस्त में शुरू हो सकती है। बॉलीवुड फिल्मकार फरहान अख्तर ने वर्ष 2023 में डॉन की तीसरी किस्त की अनाउंसमेंट की थी। साथ ही साथ फरहान अख्तर ने नए डॉन के चेहरे की झलक भी दिखाई थी। फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म 'डॉन 3' को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। कहा जा रहा है कि फिल्म 'डॉन 3' का प्री-प्रोडक्शन अगले महीने मार्च से शुरू होने वाला है। 'डॉन 3' फिलहाल कास्टिंग स्टेज पर है। वहीं 'डॉन 3' का शूटिंग शेड्यूल इस साल अगस्त महीने से शुरू होगा। इससे पूर्व डॉन फ्रेंचाइजी की दोनो फिल्मों में शाहरूख खान ने मुख्य भूमिका निभायी थी।

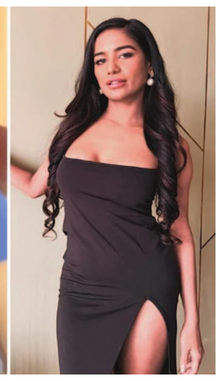

पूनम पांडे पर बहुत ज्यादा भड़की राखी सावंत?

क्या सच में पूनम पांडे की मौत सर्वाइकल कैंसर से हुई या नहीं, ये सारा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। महिला ने एक वीडियो बनाया है जहां उसने पुष्टि की है कि वह वास्तव में जीवित है, लेकिन पूरी पहल इस बीमारी के बारे में चर्चा शुरू करने के लिए थी जिसके बारे में भारतीय समाज में शायद ही बात की जाती है। उन्होंने कहा कि वह समाज और मीडिया के सभी वर्गों से प्यार और भावनाओं का प्रवाह देखकर अभिभूत हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि लोगों को समझना चाहिए कि उन्होंने ऐसा अभियान शुरू करने का फैसला क्यों किया। मॉडल पूनम पांडे जिंदा हैं। उनकी मौत की खबरों ने सभी को सदमें में डाल दिया था। 2 फरवरी को पूनम पांडे की मौत की खबरों ने पूरा दिन सुर्खियां बटौरा। सर्वाइक कैंसर को पूनम की टीम ने उनकी मौत की वजह बताया। राखी सावंत ने सहित कई सितारों ने पूनम पांडे की मौत पर दुखद संदेश पोस्ट किया। अब जब उन्होंने अपने जीवित होने की घोषणा की तब सभी ने उनकी ऐसी हरकत के लिए उन्हें जमकर खरी खोटी सुनाई। राखी सावंत ने सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर मौत का झांसा देने के लिए पूनम पांडे की आलोचना की। कई सेलेब्स ने उनकी आलोचना करते हुए कहा है कि यह उन लोगों का पूरी तरह से मजाक है जो वास्तव में पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि प्रासंगिक/प्रचारित होने की सनक ने पीआर प्रबंधकों को अपने ग्राहकों को बढ़ावा देने के लिए नई ऊंचाइयों को छूने पर मजबूर कर दिया है। ऐसा लगता है कि पूनम पांडे को इसके लिए कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कई नेटीजन चाहते हैं कि कानून निर्माता सोशल मीडिया पर ऐसी फर्जी खबरों के खिलाफ सख्त कदम उठाएं। इस रिपोर्ट के कई लोगों पर चौंकाने वाले परिणाम हुए।

ओटीटी पर भी हीरामंडी डेब्यू के लिए तैयार

'हीरामंडी' कलाकारों और निर्माताओं ने फिल्म के पहले लुक की झलक दिखाई। भंसाली अब ओटीटी पर भी मोस्ट अवेटेड वेबसीरीज हीरामंडी से डेब्यू करने वाले हैं। इसमें कई एक्ट्रेस एकसाथ नजर आएंगी। मेकर्स ने इसका फर्स्ट लुक रिवील कर दिया।

'हीरामंडी' के साथ भंसाली ने आजादी से पहले भारत में वेश्याओं के जीवन में प्यार और धोखे की कहानियों को बयां किया है। झलक से पता चलता है कि कभी तवायफ भी रानी की तरह रहा करती थीं। वीडियो की शुरुआत में मनीषा कोइराला अजीब सी मुस्कान के साथ दिखती हैं। इसके बाद अदिति राव रॉयल लुक में दिखती हैं। सोनाक्षी सिन्हा चेहरे पर गुस्से के साथ नजर आती हैं। ये सीरीज 1940 के दशक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित वेश्याओं और उनके संरक्षकों की कहानियों के माध्यम से एक जिले 'हीरामंडी' की सांस्कृतिक वास्तविकता को दिखाती है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने एक्स (ट्विटर) पर फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 卐एक चकाचौंध भरी दुनिया में कदम रखिए, जहां प्यार और मुक्ति का टकराव होता है। महान रचनाकार भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी - द डायमंड बाजार की पहली झलक देखें।卐 नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर भी झलक दिखाई है। सीरीज में ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख भी मुख्य भूमिका में हैं। अभी इसकी ऑफिशियल स्ट्रीमिंग डेट अनाउंस नहीं की गई है। बता दें कि संजय लीला भंसाली बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर हैं। भंसाली अब तक फैंस को 'हम दिल दे चुके सनम', 'देवदास', 'बाजीराव मस्तानी' जैसी शानदार फिल्मों की सौगात दे चुके हैं।

चीन के शेयर बाजार में नए साल में भी जारी है गिरावट

▶▶ तीन साल में निवेशकों को लगा 6 ट्रिलियन का झटका

▶▶ विदेशी निवेशकों में मची है देश से बाहर निकलने की होड़

नईदिल्ली, एजेंसी। करीब दो दशक तक चीन की इकॉनमी रॉकेट की स्पीड से बढ़ी। साल 2007 से 2015 के बीच चीन ने हर साल अपनी इकॉनमी में एक ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी की थी। इस दौरान दुनियाभर के निवेशकों ने चीन पर जमकर पैसा लगाया था। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। पिछले साल भारत समेत दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेजी आई जबकि चीन के स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। नए साल में भी हालात नहीं बदले पिछला हफ्ता चीन के शेयर मार्केट के लिए बहुत खराब रहा। चीन सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी इकॉनमी का दम फूल रहा है और विदेशी निवेशकों में भागने की होड़ मची है। पिछले तीन साल में चीन के शेयर बाजार में निवेशकों के छह लाख करोड़ डॉलर स्वाहा हो चुके हैं। पिछले हफ्ते शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में 6.2 फीसदी गिरावट आई जो अक्टूबर 2018 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट थी जबकि शेनजेन कंपोनेंट इंडेक्स में 8.1 फीसदी गिरावट रही। यह तीन साल में इसकी सबसे बड़ी गिरावट है। इस साल इन दोनों इंडेक्स में क्रमशः आठ और 15 परसेंट से ज्यादा गिरावट आई है। चीन के ब्लू-चिप सीएसआई इंडेक्स में 4.6 फीसदी गिरावट आई जो अक्टूबर 2022 के बाद सबसे ज्यादा है। इस इंडेक्स में इस साल सात फीसदी गिरावट आई है। इसमें शंघाई और शेनजेन में लिस्टेड 300 बड़े स्टॉक शामिल हैं। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन पिछले कुछ समय से यह कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है।

भारत बनाम चीन

देश में रियल एस्टेट मार्केट गहरे संकट में है, युवाओं की बेरोजगारी चरम पर है, डिफ्लेशन की स्थिति चल रही है और देश में आबादी में तेजी से गिरावट आ रही है। आईएमएफ के मुताबिक इस साल चीन की जीडीपी ग्रोथ 4.6 परसेंट रहने का अनुमान है जो कई दशक में सबसे कम है। साथ ही 2028 में चीन की जीडीपी ग्रोथ के घटकर 3.5 परसेंट रहने का अनुमान है। हॉन्ग कॉन्ग की एक अदालत ने चीन की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड को बेचने का ऑर्डर दिया है। किसी जमाने में इस कंपनी को चीन के रियल एस्टेट सेक्टर का पोस्टर बॉय कहा जाता था और आज यह दुनिया की सबसे ज्यादा कर्ज में डूबी रियल एस्टेट कंपनी है। रियल एस्टेट के डूबने का कारण चीन की बैंकिंग इंडस्ट्री पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। चीन की सरकार ने देश के 64 ट्रिलियन डॉलर की फाइनेंशियल इंडस्ट्री को विदेशी निवेशकों के लिए खोलने का फैसला किया है। लेकिन यह कदम भी निवेशकों का भरोसा बहाल करने में नाकाम रहा। चीन की इकॉनमी जहां संघर्ष कर रही है, वहीं भारत की इकॉनमी कुलांचे मार रही है। भारत का शेयर मार्केट रोज नए-नए रेकॉर्ड बना रहा है। आईएमएफ के मुताबिक 2024 और 2025 में भारत की इकॉनमी के 6.5 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है। यानी भारत दो साल तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती इकॉनमी बना रहेगा।

पेटीएम पर आरबीआई के एक्शन के बीच जियो पेमेंट्स बैंक की सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम पेमेंट बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक ने पाबंदी का ऐलान किया है। आरबीआई के मुताबिक, पेटीएम ने नियमों का उल्लंघन किया है। इसलिए ये कदम उठाना पड़ा है। पेटीएम की कई सेवाएं 29 फरवरी से बंद हो जाएंगी। आरबीआई के इस एक्शन का असर पेटीएम के शेयर पर देखने को मिल रहा है। पेटीएम के शेयर में बीते गुरुवार से लगातार लोअर सर्किट लग रहे हैं। पेटीएम की हालत खराब है। निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इधर पेटीएम पर आरबीआई के एक्शन के बीच सोशल मीडिया पर मुकेश अंबानी के जियो पेमेंट्स बैंक की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा चल रही है।

दरअसल सोशल मीडिया पर जियो पेमेंट्स बैंक का एक पुराना एड लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें जियो पेमेंट्स बैंक के फायदों के बारे में जानकारी दी गई है। हालांकि यह विज्ञापन पुराना है। लेकिन पेटीएम पर आरबीआई की पाबंदी के बाद अब जियो पेमेंट्स बैंक की चर्चा हो रही है। जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने 3 अप्रैल, 2018 से अपना बैंकिंग काम शुरू किया था। रिजर्व बैंक ने भुगतान बैंक का व्यवसाय जारी रखने के लिए बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 22 (1) के तहत बैंक को लाइसेंस जारी किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज उन 11 आवेदकों में से है जिन्हें अगस्त, 2015 में पेमेंट बैंक की स्थापना की सैद्धान्तिक मंजूरी मिली थी। भारतीय स्टेट बैंक उद्यम में 30 प्रतिशतहिस्सेदारी रखते हुए जियो पेमेंट्स बैंक के साथ साझेदारी में आया है। हालांकि, एफवाय23 में एसबीआई की शेयरधारिता गिरकर 23 फीसदी हो गई, जो जियो पेमेंट्स बैंक के बिजनेस मॉडल में इसके इंट्रस्ट नहीं लेने को दिखाता है। इधर पेटीएम पेमेंट्स बैंक ने बयान जारी करके कहा है कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें। पेटीएम के साउंडबॉक्स, यूपीआई और क्यूआर कोड जैसी सर्विसेज अभी भी ऑन हैं। कंपनी के मुताबिक, वह आरबीआई के निर्देशों का पालन करने के लिए तत्काल कदम उठाएगा, जिसमें उनकी चिंताओं को जल्द से जल्द दूर करने के लिए नियामक के साथ काम करना भी शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

ईडी की कार्रवाई के बाद इंडिया सीमेंट्स से जुड़ी कंपनी का बयान, कहा- हमने जरूरी स्पष्टीकरण दिए

नईदिल्ली, एजेंसी। सीमेंट निर्माण कंपनी इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड की सहयोगी कंपनी इंडिया सीमेंट्स कैपिटल लिमिटेड ने शनिवार को बताया है कि उसने प्रवर्तन निदेशालय को सभी जरूरी स्पष्टीकरण मुहैया करा दिए हैं। एजेंसी ने विदेशी मुद्रा लेन-देन से जुड़े मामले में कंपनी के दफ्तों की तलाशी ली थी। इंडिया सीमेंट्स के पास आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स का स्वामित्व केंद्रीय एजेंसी ने उद्योगपति और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन की ओर से प्रवर्तित कंपनी के चेन्नई स्थित दो परिसरों और दिल्ली स्थित एक परिसर में तलाशी ली थी। यह कार्रवाई 31 जनवरी और 1 फरवरी को की गई थी। इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड के पास आईपीएल में शामिल टी-20 क्रिकेट फ्रेंचाईजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का भी स्वामित्व है। आईसीसीएल ने कहा है कि ईडी की ओर से यह कार्रवाई कुछ सामान्य विदेशी मुद्रा लेनदेन के कारण की गई। कंपनी ने बयान जारी कर कहा, ईडी के अधिकारियों ने हमसे कुछ सवाल किए थे और हमने उन्हें जरूरी स्पष्टीकरण दे दिया है। कंपनी ने कहा कि आईसीसीएल विदेशी मुद्रा सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत डीलर है और भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से बनाए गए नियमों का पालन करते हुए अपने ग्राहकों को ये सेवाएं प्रदान कर रहा है।

सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी का आईपीओ इसी हफ्ते

नईदिल्ली, एजेंसी। सोलर बनाने वाली कंपनी अल्पेक्स सोलर का आईपीओ इस हफ्ते ओपन होने जा रहा है। कंपनी ने प्राइस बैंड का ऐलान कर दिया है। जनवरी में पीएम मोदी ने ऐलान किया था कि आने वाले सालों में सरकार की तरफ से 1 करोड़ घरों पर सोलर लगाए जाएंगे। इस ऐलान के बाद अल्पेक्स सोलर को लेकर निवेशकों में काफी उत्साह देखने को मिल सकता है। अल्पेक्स सोलर का साइज 74.52 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 109 रुपये से 115 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक लॉट में 1200 शेयर रखे हैं। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,38,000 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, यह आईपीओ 8 फरवरी से 12 फरवरी को ओपन होगा। शेयरों का अलॉटमेंट 13 फरवरी को हो सकता है। एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 7 फरवरी को ओपन होगा। बता दें, कंपनी आईपीओ के जरिए निवेशकों को 64.80 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। कंपनी की लिस्टिंग एनएसई एसएमई में होगी। इन्वेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ग्रे मार्केट में आज 190 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। अगर यही ट्रेंड लिस्टिंग तक रहा तो यह आईपीओ पहले दिन ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर देगा। जीएमपी देखकर लगता है कि कंपनी की लिस्टिंग 300 रुपये के पार हो सकती है। कंपनी के प्रमोटर्स अश्विनी सहगल, मोनिका सहगल और विपिन सहगल हैं। इनके पास अभी 93.53 प्रतिशत हिस्सा है।

इलेक्ट्रिक बस बनाने वाले इन 3 कंपनियों पर रखिए नजर, 10,000 बसों के ऑर्डर पर है निगाह

नईदिल्ली, एजेंसी। अंतरिम बजट से एक बात को साफ हो गई है कि सरकार ईलेक्ट्रिक व्हीकल्स को तेजी के साथ बढ़वा देने जा रही है। अंतरिम बजट में सरकार की तरफ से 1300 करोड़ रुपये का आवंटन पीएम-ई बस सेवा के लिए किया गया है। इस योजना के जरिए 169 शहरों में 10,000 इलेक्ट्रिक बसें पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए लगाई जाएंगी। बता दें, बजट में फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के तहत 2671 करोड़ रुपये आंवटित किए गए हैं।

विदेशी निवेशकों ने डेट मार्केट में किया 19,800 करोड़ रुपये का बंपर निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी में देश के ऋण या बॉन्ड बाजार में 19,800 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह बॉन्ड बाजार में एफपीआई के प्रवाह का छह साल में सबसे ऊंचा मासिक स्तर है। भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने के बाद एफपीआई का भारतीय बॉन्ड बाजार के प्रति आकर्षण बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर एफपीआई ने अमेरिका में बॉन्ड पर यील्ड बढ़ने के बीच जनवरी में भारतीय शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 19,836 करोड़ रुपये डाले हैं। यह जून, 2017 के बाद उनके निवेश का सबसे ऊंचा मासिक स्तर है। उस समय उन्होंने बॉन्ड बाजार में 25,685 करोड़ रुपये डाले थे।

इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने बॉन्ड में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये डाले थे। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, भारत के निश्चित आय बाजार में एफपीआई का शुद्ध प्रवाह जून में 2.39 अरब डॉलर रहा है। भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने की वजह से यह निवेश आया है।

जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी ने पिछले साल सितंबर में घोषणा की थी कि वह जून, 2024 से भारत सरकार के बॉन्ड को अपने उभरते बाजार के बेंचमार्क में जोड़ेगी। इस ऐतिहासिक कदम से इसके बाद के डेढ़ से दो साल में भारत को 20 से 40 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने में मदद करेगी।

सीतारमण ने की ये घोषणा

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में घोषणा की है कि वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटे को कम कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 प्रतिशत पर लाया जाएगा। यह घोषणा भी बॉन्ड बाजार की दृष्टि से सकारात्मक है। कुल मिलाकर, 2023 में एफपीआई ने शेयरों में 1.71 लाख करोड़ रुपये और ऋण या बॉन्ड बाजार में 68,663 करोड़ रुपये डाले थे। इस तरह पूंजी बाजार में उनका कुल निवेश 2.4 लाख करोड़ रुपये रहा था।

कैसी रहेगी बाजार की चाल

शेयर बाजार में पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को अच्छी तेजी देखने को मिली थी। बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 440.33 अंक मजबूत होकर 72,085.63 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 156.35 अंक चढ़कर 21,853.80 अंक पर रहा था। सेंसेक्स ने 73 हजार का स्तर भी पार कर लिया था और दिन के समय 73,089.40 का हाई लेवल भी छुआ था। हालांकि इसके बाद बाजार में गिरावट देखने को मिली बाजार शुरुआती बढ़त बरकरार नहीं रख सका और अंत में करीब 440 अंकों की बढ़त के साथ बंद हुआ था। बीपीसीएल, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, ओएनजीसी, अडानी पोर्ट्स और एनटीपीसी आज निफ्टी के टॉप गेनर रहे थे। वहीं आयशर मोटर्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल निफ्टी के टॉप लूजर रहे थे।

अमेजन के पांच करोड़ शेयर बेचेंगे जेफ बेजोस

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस अगले 12 महीनों में कंपनी के 50 मिलियन (5 करोड़) शेयरों को बेचने की योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 171.8 डॉलर प्रति शेयर की मौजूदा कीमत पर अमेजन के इन शेयरों की कुल वैल्यू 8.6 अरब डॉलर है।

कंपनी की एक नई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, शेयरों की यह बिक्री योजना पिछले साल 8 नवंबर को शुरू की गई थी और यह प्रक्रिया 31 जनवरी, 2025 तक पूरी हो जाएगी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक बिक्री दर्ज करने के बाद अमेजन के शेयर शुक्रवार को लगभग 8 प्रतिशत चढ़ गए। कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद बीती तिमाही में अमेजन की ऑनलाइन बिक्री में सबसे बड़ा इजाफा हुआ है। बीते साल अमेजन के शेयरों में 80 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दिखी थी और इसने बेंचमार्क इंडेक्स एसएंडपी 500 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया था। बेजोस ने 1994 में अमेजन की स्थापना की थी। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, बेजोस वर्तमान में 185 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। दूसरी ओर, जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने भी पिछले साल अमेजन में अपने 25 प्रतिशतशेयर (6.53 करोड़ शेयर) बेटे थे। अब उनकी अमेजन में हिस्सेदारी घटकर 1.9 प्रतिशत रह गई है। शादी के 25 साल बाद 2019 में जेफ बेजोस और मैकेंजी ने तलाक का एलान किया था।

रेलवे सेक्टर की कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया

1 साल में पैसा डबल, मची है शेयरों की लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले लगभग एक सालों के दौरान रेलवे सेक्टर की कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड उन्हीं कंपनियों में से एक है। कंपनी को लेकर अब एक और अच्छी खबर है। दिसंबर तिमाही में रेलवे सेक्टर की इस कंपनी का प्रदर्शन शानदार रहा है। तिमाही नतीजे आने के बाद कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को अपर सर्किट लग गया था।

अक्टूबर से दिसंबर 2023 के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 895.83 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 644.43 करोड़ रुपये रहा था। यानी कंपनी की कमाई में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। नेट प्रॉफिट की बात करें तो उसमें पिछले साल के दिसंबर तिमाही की तुलना में 58 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर क्वार्टर में ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड का प्रॉफिट 81.46 करोड़ रुपये रहा था। पिछले वित्त वर्ष के इसी क्वार्टर में कंपनी का शुद्ध लाभ 44.59 करोड़ रुपये था। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया था। जिसके बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 415 रुपये के लेवल तक पहुंच गया था। हालांकि, बाजार बंद होने के समय इस स्टॉक की कीमत 405.50 रुपये प्रति शेयर थी। पिछले एक महीने के दौरान रेलवे के इस कंपनी के शेयरों का भाव 22 प्रतिशत तक बढ़ चुका है।

ब्रेकफास्ट से लंच के बीच कमा डाले 205 अरब डॉलर...

एक दिन में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कंपनियां

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने इस हफ्ते एक नया रेकॉर्ड अपने नाम कर लिया। शुक्रवार को इस कंपनी के शेयरों में 20 प्रतिशतसे अधिक उछाल आई और एक झटके में इसका मार्केट कैप 205 अरब डॉलर बढ़ गया। यह किसी कंपनी के मार्केट कैप में एक दिन में आई सबसे बड़ी उछाल है। दिलचस्प बात है कि एक दिन में मार्केट कैप में सबसे ज्यादा गिरावट का रेकॉर्ड भी मार्क जकरबर्ग की इसी कंपनी के नाम है। यहां हम उन कंपनियों के बारे में बता रहे हैं जिनके मार्केट कैप में एक दिन में सबसे बड़ी उछाल आई है।

इस लिस्ट में पहले नंबर पर फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स है। शुक्रवार को कंपनी का मार्केट कैप 205.3 अरब डॉलर बढ़ गया। इस कंपनी में मार्क जकरबर्ग की 13 प्रतिशतहिस्सेदारी है। मेटा ने हाल में अपना रिजल्ट जारी किया। कंपनी के नतीजे बाजार की उम्मीदों से कहीं ज्यादा बेहतर रहे। यही वजह है कि कंपनी के शेयरों में तेजी देखी जा रही है।

मेटा से पहले एक दिन में सबसे ज्यादा कमाई का रेकॉर्ड ऐपल के नाम था। आईफोन बनाने वाली इस कंपनी के मार्केट कैप में 10 नवंबर, 2022 को 190.9 अरब डॉलर का इजाफा हुआ था। इसके अलावा भी तीन मौकों पर इस कंपनी का मार्केट कैप 150 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा है। ऐपल दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में माइक्रोसॉफ्ट के बाद दूसरे नंबर पर है।

अमेरिका की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन का मार्केट कैप चार फरवरी, 2022 को 190.8 अरब डॉलर बढ़ा था। जेफ बेजोस की यह कंपनी अभी 1.775 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की चौथी सबसे मूल्यवान कंपनी है। उसके आगे माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल और सऊदी अरामको ही हैं। इसकी शुरुआत एक गैराज से हुई थी और आज यह दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी है।

एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया ने पिछले साल 25 मई को लंबी छलांग लगाई थी। उस दिन कंपनी का मार्केट कैप 184.1 अरब डॉलर बढ़ा था। इस अमेरिकी कंपनी की स्थापना ताइवान में जन्मे जेंसन हुआंग ने की थी। आज यह 1.634 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की छठी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। एआई के बढ़ते चलने से दुनियाभर में चिप की मांग बढ़ी है। इस कारण इस कंपनी के शेयरों में काफी तेजी आई है। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मार्केट कैप में 13 मार्च, 2020 में 150.4 अरब डॉलर की तेजी आई थी। पिछले साल 26 अप्रैल को भी कंपनी का मार्केट कैप 148.3 अरब डॉलर उछला था।

एसबीआई ने दिसंबर तिमाही के परिणाम जारी किए, शुद्ध लाभ 35 प्रतिशतकम होकर 9,164 करोड़ रुपये हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 35 प्रतिशत कम होकर 9,164 करोड़ रुपये हो गया है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 14,205 करोड़ रुपये रहा था। एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 1,18,193 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 98,084 करोड़ थी।

बैंक की ब्याज आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 1,06,734 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 86,616 करोड़ रुपये थी। दिसंबर, 2023 के अंत तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) घटकर सकल ऋण का 2.42 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 3.14 प्रतिशत थी।

इसी तरह, तीसरी तिमाही के अंत में शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.64 प्रतिशत हो गया जो पिछले साल 0.77 प्रतिशत था। एकीकृत आधार पर एसबीआई समूह का शुद्ध लाभ दिसंबर, 2023 तिमाही में 29 प्रतिशत गिरकर 11,064 करोड़ रुपये रह गया, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 15,477 करोड़ रुपये था। हालांकि, कुल आमदनी समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 1,53,072 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,27,219 करोड़ रुपये थी। दिसंबर, 2023 तिमाही में बैंक ने एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीएपीएस) की पूरी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया। इसके साथ ही एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड में बैंक की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई। यह सौदा 229.52 करोड़ रुपये में हुआ।

पीएलआई एक शुरुआती समर्थन; इसे बैसाखी नहीं समझा जाए: पीयूष गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को पीएलआई स्कीम पर बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उद्योगों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को शुरुआती समर्थन के रूप में देखना चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। उन्होंने पीएलआई लाभार्थी कंपनियों को प्रोत्साहन देने वाली कंपनियों से योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए रचनात्मक आलोचना और प्रतिक्रिया साझा करने को कहा।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि पीएलआई का मकसद भारत को विनिर्माण क्षेत्र का पावरहाउस बनाना है और इस मामले में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रतिभागियों सहित 1,200 से अधिक हितधारकों ने पीएलआई पर नई दिल्ली में बैठक की। इस बैठक में 14 पीएलआई योजनाओं की प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। गोयल ने कहा, योजना के प्रोत्साहन को बैसाखी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और हम आपको सरकारी सब्सिडी पर निर्भर नहीं बनाना चाहते हैं। यह केवल एक किकस्टार्ट की तरह है। गोयल ने कहा, पीएलआई योजना का मकसद केवल आपको थोड़ा सा बढ़ावा देना है ताकि आप अपने प्रयास को किकस्टार्ट कर सकें और कृपया इसे किकस्टार्ट के रूप में देखें, एक प्रारंभिक समर्थन के रूप में देखें। क्योंकि क्योंकि अंततः आपके लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। उन्होंने कहा, हमें अंततः एक दूसरे से और दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि उद्योगों को धीरे-धीरे वैश्विक बाजारों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और भारत के बड़े घरेलू बाजार के कंफर्ट जो से बाहर आना चाहिए।

इंग्लैंड ने 399 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बनाये एक विकेट पर 67 रन

-इंग्लैंड दूसरे टेस्ट में जीत से 332 रन दूर , 67/1

- शुभमन के शतक से भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बनाये 255 रन

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। इंग्लैड की टीम को भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के लिए 332 रनों की और जरुरत है। भारतीय टीम ने शुभमन गिल के शतक से मेहमान टीम को जीत के लिए दूसरी पारी में 399 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में एक विकेट खोकर 67 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय रेहान अहमद 9 और जैक क्राउली 29 रनों पर खेल रहे थे। वहीं बेन डेकेट 28 रनों पर आउट हुए।

इससे पहले भारतीय टीम ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के छह विकट से इंग्लैंड को दूसरे दिन पहली पारी में केवल 253 रन पर ही रोक दिया था। वहीं तीसरे दिन भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में दूसरी पारी में 255 रन बनाकर आउट हो गयी। भारतीय टीम को इस मैच में पहली पारी के आधार पर 143 रनों की बढ़त हासिल थी। इस प्रकार उसी कुल बढ़त 398 हो गयी। भारतीय टीम ने इस मैच में अपनी पहली पारी में यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक की सहायता से 396 रन बनाए थे जबकि मेहमान टीम को जसप्रीत बुमराह ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में छह विकेट पर 253 रनों पर ही रोक दिया था। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम के पास 143 रन बढ़त थी। इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में स्पिनरों ने खास दबाव बनाये रखा टॉम हार्टले ने 4 जबकि रेहान अहमद ने 3 विकेट लिए। इस प्रकार इन दोनो ने कुल 7 विकेट लिए। वहीं दो विकेट जेम्स एंडरसन और शोएब बशीर ने लिए।

दूसरी पारी में भारत की ओर से शुभमन के अलावा अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाये।

वहीं पहली पारी में इंग्लैंड की टीम तेजी से रन बना रही थी पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने तेजी से 2 विकेट लेकर मेहमान टीम को मुश्किल में डाल दिया। इसके बाद स्पिनर कुलदीप यादव ने बेन डकेट को 21 रन पर काउट कर दिया। जैक क्राउली ने दूसरे छोर से तेजी से रन बनाना जारी रखा और 11 चौके और 2 छक्के लगाये पर बुमराह ने अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को 5 रन और ओली पोप को 23 रनों पर पवेलियन भेजकर इंग्लैंड की टीम को करारा झटका दिया।

दूसरे सत्र में क्राउली ने आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने कुलदीप पर छक्का लगाकर अपना

अर्धशतक पूरा किया। क्राउली और डकेट की सलामी जोड़ी ने इंग्लैंड को 6 ओवर में बिना किसी नुकसान के 32 रन पर पहुंचा दिया था। डकेट ने तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की गेंदों को जमकर पीटा और शुरुआती दो ओवरों में ही 22 रन बटोरे। इससे पहले भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 336 रन से आगे खेलते हुए कल के स्कोर में 60 रन बनाये और वह लंच से पहले सिमट गयी। यशस्वी ने 290 गेंद में 209 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 19 चौके और सात छक्के लगाये।

विश्व शतरंज रैंकिंग : पहली बार टॉप 20 में पहुंचे पाँच भारतीय , भारत विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व शतरंज के द्वारा जारी की गयी ताजा विश्व रैंकिंग में पहली बार पाँच भारतीय शतरंज खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष 20 में पहुँच गए है । हालांकि इस बारा कोई भी भारतीय खिलाड़ी शीर्ष 10 में जगह नहीं बना सका है पर जल्द ही शीर्ष 10 में भी कई भारतीय होंगे । भारतीय खिलाड़ियों में विश्वनाथन आनंद 2748 ईएलओ अंको के साथ 12वे , आर प्रज्ञानन्दा 2747 अंको के साथ 13वे , 2747 अंको के साथ विदित गुजराती 14वे और डी गुकेश 2743 अंको के साथ 16वे स्थान पर है जबकि 2738 अंको के साथ अर्जुन एरिगासी 18वे स्थान पर है । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में बात करे तो पेंटाला हरीकृष्णा 2708 अंको के साथ 31वें , एसएल नारायनन 2694 अंको के साथ 42वें , निहाल सरीन 2693 अंको के साथ 43वें , 2662 अंको के साथ अरविंद चितांबरम 73वे , 2654 अंको के साथ रौनक साधवानी 83वें स्थान पर है।

2830 अंको के साथ नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें जुलाई 2011 के बाद से कुल 12 साल सात माह से अपने विश्व नंबर एक खिलाड़ी होने के रिकॉर्ड को कायम रखे हुए है ।

महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी 2554 अंको के साथ तीसरे , 2503 अंको के साथ हरिका द्रोणावल्ली 11वे और 2481 अंको के साथ आर वैशाली 14वे स्थान पर चल रही है ।

वहीं टीम रैंकिंग की बात करे तो पुरुष वर्ग में भारत 2713 अंको के साथ दूसरे स्थान पर और मजबूत हुआ है जबकि यूएसए 2724 अंको के साथ पहले और चीन 2684 अंको के साथ तीसरे स्थान पर है ।

महिला वर्ग में भी भारत 2428 अंको के साथ दूसरे स्थान पर है , यहाँ चीन 2477 अंको के साथ पहले और रूस 2384 अंको के साथ तीसरे स्थान पर है ।

सबसे तेजी से 150 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने इस मैच में पांच विकेट लेने के साथ ही अपने 150 टेस्ट विकेट पूरे किये। इसी के साथ ही वह सबसे तेजी से ये आंकड़ा हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। उन्होंने इस दौरान पूर्व कप्तान कपिल देव के अलावा दिग्गज स्पिनर और आर अश्विन और मोहम्मद शमी को भी पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को आउट करते ही यह उपलब्धि अपने नाम की। बुमराह की घातक गेंदबाजी के आगे मेहमान टीम के बल्लेबाज बेबस दिखे। बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 10वीं बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया है। उन्होंने इस मैच में बल्लेबाज ओली पोप को आउट किया, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो , बेन स्टोक्स और टॉम हार्टले को आउट किया। बुमराह ने जेम्स एंडरसन के रुप में छठा विकेट लिया।

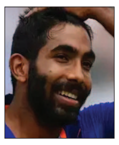

बुमराह टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंद फेंककर 150 विकेट हासिल करने वाले भारतीय बने हैं। उन्होंने 150 विकेट हासिल करने के लिए 6781 गेंद फेंकी है जबकि उमेश यादव ने इस कारनामे को करने के लिए 7661 गेंदों का सहारा लिया. जबकि मोहम्मद शमी ने 150 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 7755 गेंदें फेंकी है। वहीं दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव ने डेढ़ सौ टेस्ट विकेट के लिए 8378 गेंदें डाली थी जबकि आर अश्विन ने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए 8380 गेंदें फेंकीं। बुमराह ने जेम्स एंडरसन को आउट कर अपना छठा विकेट लिया। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी में 15.5 ओवर में 45 रन देकर 6 विकेट लिए जिससे इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 253 रनों पर ही सिमट गयी।

कोहली की वापसी पर बीसीसीआई अस्पष्ट, जडेजा-शमी के सीरीज से बाहर होने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को यह स्पष्ट नहीं है कि विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए लौटेंगे या नहीं। भारत के वरिष्ठ बल्लेबाज ने व्यक्तिगत कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से छुट्टी का अनुरोध किया था। हालांकि, बीसीसीआई स्पष्ट नहीं है कि बल्लेबाज भारतीय टीम में कब वापसी करेगा।

बीसीसीआई ने प्रशंसकों और मीडिया से इस मामले पर अटकलें न लगाने का अनुरोध किया था। हालांकि, कोहली के करीबी दोस्त एबी डिविलियर्स ने एक यूट्यूब लाइव सत्र में खुलासा किया कि कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'बीसीसीआई की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि परिवार सबसे पहले आता है और विराट तभी खेलेंगे जब उन्हें लगेगा कि वह खेलने की स्थिति में हैं।'

डिविलियर्स ने कहा कि कोहली ने ब्रेक लेकर बिल्कुल सही काम किया है। उन्होंने कहा, 'हां, उनका दूसरा बच्चा आने वाला है। यह परिवार का समय है और चीजें उनके लिए महत्वपूर्ण हैं। यदि आप खुद के प्रति सच्चे नहीं हैं, तो आप यह भूल जाते हैं कि आप यहां किसके लिए हैं। मुझे लगता है कि ज्यादातर लोगों की प्राथमिकता परिवार है। इसके लिए हम विराट को जज नहीं कर सकते। हां, हमें उनकी कमी खलती है। लेकिन उन्होंने बिल्कुल सही फैसला किया है।'

शमी, जड़ेजा पर संकट के बादल!

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टेस्ट टीम में वापसी की संभावना नहीं है। मोहम्मद शमी वर्तमान में नवंबर 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान लगी टखने की चोट से उबर रहे हैं जबकि रवींद्र जडेजा को हैदराबाद के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग का चोट लगी थी।

सूत्र ने कहा, 'फिलहाल इस बात की बहुत कम या कोई संभावना नहीं है कि मोहम्मद शमी (जो टखने के इलाज के लिए यूके में हैं) और रवींद्र जडेजा शेष श्रृंखला के लिए फिट होंगे। राहुल बेहतर हो रहे हैं और एक अंतर है दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच एक सप्ताह का समय भी उन्हें मैच के लिए तैयार होने में मदद करेगा।'

विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप : शेरोन ने 10 किमी ओपन वॉटर तैराकी स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

दोहा (एजेंसी)। शेरोन वैन रूवेंडाल ने विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 किमी ओपन वॉटर तैराकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। शनिवार को कतर के दोहा में रियो 2016 में ओलंपिक स्वर्ण और टोक्यो 2020 में रजत जीतने वाली डच महिला ने स्पेन की मारिया डी वाल्डेस को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। वाल्डेस को रजत, पुर्तगाल की एंजेलिका आंद्रे को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दो साल पहले बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीतने के बाद 30 वर्षीय वैन रूवेंडाल का यह दूसरा विश्व खिताब है। महिलाओं की पांच किमी ओपन तैराकी स्पर्धा बुधवार को होगी।

मुकेश कुमार के बचाव में उतरे बुमराह

विशाखापत्तनम । भारतयी टीम के युवा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इससे पहले मुकेश वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका में भी उम्मीद के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाये थे। दूसरे टेस्ट में बुमराह ने लगातार विकेट लिए पर दूसरे छोर से मुकेश विफल रहे। इस कारण सोशल मीडिया पर जब मुकेश को प्रशंसक ट्रोल करने लगे। वहीं बुमराह से जब मुकेश के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछा गया, तो बुमराह ने इस युवा तेज गेंदबाज का बचाव करते हुए दावा किया कि वह टेस्ट क्रिकेट में नया आया है और प्रबंधन को उसकी प्रतिभा पर पूरा भरोसा है। साथ ही कहा कि जहां तक गलतियों की बात है वह मैं भी करता हूं। मुकेश ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में केवल 7 ओवर ही गेंदबाजी की थी। इस दौरान उन्होंने 6.3 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन दिए। उन्हें कोई विकेट भी नहीं मिला। बुमराह ने मुकेश का समर्थन करते हुए कहा कि ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। उन्होंने अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना शुरू किया है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत कर दी है। हमें उस पर बहुत भरोसा है। उन्होंने आगे कहा कि खराब दिन आना या गलतियां करना सामान्य बात है और यहीं से आपको एक क्रिकेटर के रूप में आगे बढ़ने और बेहतर करने में सहायता मिलती है। बुमराह ने कहा कि मुझे लगता है कि यही मानसिकता है, इस प्रकार आपको गलतियां करके सीखना होगा। आप गलतियां करके बेहतर बनते हैं।

डेविस कप: भारत ने पाकिस्तान को हराकर विश्व ग्रुप वन में किया प्रवेश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारतीय टेनिस टीम ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। आज यहां पाकिस्तान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरे दिन 2-0 की बढ़त के साथ शुरुआत की।

युकी भांबरी और साकेत माइनेनी ने पाकिस्तान के अकील खान और मुजम्मिल मुर्तजा की जोड़ी को दो घंटे तक चले इस युगल मुकाबले में 6-2, 7(7)-6(6) से हराया। यह 2024 डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार आठवीं जीत है। भारतीय युगल जोड़ी ने पहले सेट के पहले गेम में ही बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी जोड़ी की सर्विस ब्रेककर 1-0 की बढ़त ले ली।

पांचवें गेम में विपक्षी टीम की सर्विस ब्रेक करने के बाद भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने 4-1 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ियों ने पहला सेट 26 मिनट में 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने वापसी करने का प्रयास किया और बेहतरीन तालमेल के साथ अपनी सर्विस बरकरार रखी। दूसरे और तीसरे गेम में दोनों टीमों ने बिना कोई अंक गंवाए अपनी-अपनी सर्विस बनाए रखी। हालांकि, भांबरी और माइनेनी ने विपक्षी टीम पर अपना दबदबा बनाये रखा।

भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गंवाया और शेष पांच अंक हासिल कर मैच में जीत दर्ज की और सितंबर में होने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। उल्लेखनीय है कि डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ के पहले दिन रामकुमार रामनाथन ऐसाम-उल-हक कुरैशी को 6(7)-7(3), 7(7)-6(4), 6-0 से हराया था। जबकि श्रीराम बालाजी ने अकील खान को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से पराजित किया। दूसरे दिन भारत ने युगल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए 3-0 की अजेय बढ़त ले ली।

अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट : सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका

-पाक का ऑस्ट्रेलिया से होगा

जोहांसबर्ग । अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट में सेमीफाइनल की चार टीमें पक्की हो गयी हैं। इसमें भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के बीच मुकाबला होगा। पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में अंतिम रही। उसने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर सिक्स मुकाबले में 5 रन से जीत के साथ ही अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पहले ही अंतिम चार में पहुंच गयी थीं। विश्व कप का पहला सेमीफाइनल 6 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच जबकि दूसरा सेमीफाइनल 8 फरवरी को भारत और दक्षिण अफ्रीका का होगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अब तक नहीं हारी है। भारतीय टीम ने अपने अंतिम सुपर सिक्स मुकाबले में नेपाल को मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। भारत ने लीग स्टेज में 3 जबकि सुपर सिक्स चरण में 2 मैच जीते हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अंडर 19 विश्व कप का सेमीफाइनल मैच 6 फरवरी को बेनोई में दोपहर 1-30 बजे से होगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच अंडर 19 विश्व कप का दूसरा सेमीफाइनल मैच गुरुवार 8 फरवरी को दोपहर डेढ़ बजे से बेनोई में खेला जाएगा.

पाक टीम आईसीसी अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची

विलोमूर पार्क (एजेंसी)। पाकिस्तान ने आईसीसी अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप के सुपर 6 मुकाबले में बांग्लादेश को 5 रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। अब सेमीफाइनल में पाक का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा जबकि दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम की टक्कर दक्षिण अफ्रीका से होगी। बांग्लादेश के खिलाफ हुए मुकाबले में पाकिस्तान की टीम पहले खेलते हुए केवल 155 रन ही बना पायी। वहीं बांग्लादेश की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 150 रन ही बना पाई। पाकिस्तान की ओर से उबेद शाह ने 44 रन देकर पांच विकेट लिए। पाकिस्तान की ओर से इस मैच में श्यामल हुसैन 19 और शाहजैब खान 26 ने अच्छी शुरूआत की थी। इसके बाद अजान अवैस 6 और कप्तान साद बेग 9 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। मध्यक्रम में अराफत मिन्हास ने 34 रन बनाकर स्कोर 155 तक पहुंचाया वहीं बांग्लादेश की ओर से रोहनाट डौला बोरसन और शेख पावेज़ जिबोन ने 4-4 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही। मध्यक्रम में चौधरी मोहम्मद रिजवान 20, अरिफुल इस्लाम 14 और अहरर अमीन 11 के अलावा मोहम्मद जेम्स ने 26 रन बनाये। पाक की ओर से तेज गेंदबाज उबेद शाह ने 10 ओवर में 44 रन देकर 5 तो अली रजा ने 44 रन देकर 5 विकेट लीं और अपनी टीम को जीत दिलायी।

यशस्वी की सफलता का राज बचपन के कोच ने खोला

विशाखापत्तनम । युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने कहा है कि वह तेजी से सीखता है। ज्वाला के अनुसार यशस्वी ने जिस प्रकार इंग्लैंड के खिलाफ मुश्किल समय में दोहरा शतक लगाया उससे वह बेहद खुश हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 209 रन बनाकर अपनी टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया था। जयसवाल ने अपनी इस पारी के दौरान आक्रामक रुख दिखाया। ज्वाला ने कहा कि यदि आप यहां देखें, तो अन्य सभी बल्लेबाजों ने भी बल्लेबाजी की पर केवल यशस्वी ही मेहमान टीम के गेंदबाजों पर हावी रहे। साथ ही कहा कि पहले टेस्ट में भी उसने अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसने अपने छठे टेस्ट में ही दोहरा शतक लगा दिया है। उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करते देखकर मैं बहुत-बहुत खुश हूं। मैंने उसे बचपन से सिखाया था कि एक अच्छा खिलाड़ी वह है जो हालातों को अच्छी तरह से पढ़ता है और उसी अनुसार खेलता है।

कोच ने कहा कि कई खिलाड़ी बल्लेबाजी करना और अपने स्ट्रोक्स अच्छे से खेलना जानते हैं पर एक खिलाड़ी विशेष होता है जो सत्र के दौरान कब रन बनेंगे ये जानता है। अगर किसी को रक्षात्मक खेलना है और गेंदबाज हावी है तो उसे विकेट न देना भी एक तरह का दबदबा है। टेस्ट क्रिकेट में खेल पर दबदबा बनाना सिर्फ चौके या छक्के मारने के बारे में नहीं है; एक गेंदबाज को निराश करना भी इसमें शामिल है। जब वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा हो तो उसे अपना विकेट न देना भी एक तरह का दबदबा है। उसने इस मैच में आंकलन किया कि जीतने के लिए लंबे समय तक खेलने और सत्र-दर-सत्र खेलने की जरूरत है।

ज्वाला के अनुसार, हैदराबाद टेस्ट की पहली पारी में यशस्वी का 80 रन पर आउट होना एक सीखने वाला अनुभव साबित हुआ, जहां वह फ्लाइट में फंस गए थे और दूसरे दिन के खेल के शुरुआती ओवर में जो रूट को कैच दे बैठे थे। टेस्ट क्रिकेट भी आपसे क्रीज पर समय बिताने की मांग करता है। केवल तेजी से ही खेलकर जीत नहीं मिलती बल्कि इसके लिए हालात देखकर खेलना होता है।

आईओए के सीईओ की नियुक्ति पर पीछे हटने का सवाल ही नहीं : पीटी उषा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने रविवार को कहा कि उन्हें नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पर पूरा भरोसा है और उन्हें शीर्ष पद पर नियुक्त करने के फैसले से पीछे नहीं हटेंगी। इस तरह की खबरें हैं कि आईओए कार्यकारी परिषद के अधिकांश सदस्य एक निलंबन आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे जिसमें सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति को अमान्य घोषित किया जाएगा।

आईओए ने एक साल बाद और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के बार-बार याद दिलाने के बाद छह जनवरी को इंडियन प्रीमियर लीग टीम राजस्थान रॉयल्स के पूर्व अधिकारी अय्यर को सीईओ नियुक्त किया था। हालांकि उनकी नियुक्ति के कुछ हफ्तों के भीतर आईओए की कार्यकारी परिषद के कई सदस्यों ने आरोप लगाया कि महान खिलाड़ी उषा ने सीईओ के रूप में अय्यर की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए उन पर 'दबाव डाला' था। उषा ने इस आरोप को 'शर्मनाक' बताया। कार्यकारी परिषद के 15 में से लगभग 12 सदस्यों ने तब कहा था कि अय्यर की नियुक्ति को शीर्ष संस्था ने मंजूरी नहीं दी थी। यह पूछे जाने पर कि क्या आईओए अध्यक्ष बनने के बाद से वह समस्याओं से घिरी हुई लगती हैं, उषा ने कहा, 'हर बार। इसे हल करना पड़ता है। जब आप गलत काम करते हैं, तो आपको डरना पड़ता है। जब आप सही और उचित काम कर रहे होते हैं तो फिर इस पर चिंता क्यों।'

दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) और भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) द्वारा यहां आयोजित एक समारोह में उषा से सीईओ प्रकरण पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा, 'सीईओ काम कर रहे हैं। मैं पहले ही उचित तरीके से नियुक्ति कर चुकी हूं और वह काम कर रहे हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या कार्यकारी परिषद के कई सदस्यों के कथित तौर पर उन्हें हटाने की इच्छा के बावजूद क्या वह अपना सामान्य कामकाज कर सकेंगे, उषा ने कहा, ''शत प्रतिशत (वह बने रहेंगे)। क्यों नहीं? वह एक बहुत अच्छे सीईओ हैं।'

खेल पत्रकारों द्वारा पदक, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न से सम्मानित होने के बाद उन्होंने कहा, ''हम हमेशा चाहते थे कि आईओए में एक बड़ा (सीईओ पद पर एक प्रसिद्ध व्यक्ति) अधिकारी हो... और इससे बहुत बड़े पैमाने पर खेलों में मदद मिल सकती है। मैं इसी तरह से सोच रही हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे उन (सीईओ) पर भरोसा है और वह अब जो कुछ भी कर रहे हैं, उस पर मुझे भरोसा है।'

इस अवसर पर जाने माने पिस्टल निशानेबाज जसपाल राणा और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी उपस्थित थे जो सम्मानित अतिथि थे। उन्होंने उषा को 'लाइफटाइम अचीवमेंट% के लिए पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज, पूर्व दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण, महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर और पूर्व धावक मिल्खा सिंह के बाद उषा एसजेएफआई और डीएसजेए 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार पाने वाली पांचवीं खिलाड़ी हैं। उषा ने देश के लिए 103 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते। उन्होंने एशियाई खेलों में चार स्वर्ण पदक और सात रजत पदक जीते और तीन बार ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा की।

सरदारधाम जैसी बेहतरीन शैक्षणिक परियोजनाएं विकसित भारत के दृष्टिकोण की पूरक होंगी: केंद्रीय पशुपालन, मत्स्य पालन विभाग मंत्री परषोत्तमभाई रूपाला

सूरत । वेलांजा-पारडी रोड, अंत्रोली, सूरत में 31 बीघा जमीन पर 2000 लड़के और लड़कियों के छात्रावास (संस्थान), सिविल सेवा केंद्र, न्यायपालिका, खेल परिसर, रक्षा अकादमी, कौशल विकास, कार्यशालाएं आदि का निर्माण किया जाएगा। 500 करोड़ रुपये की सुविधा के पहले चरण में सरदार धाम में भूमि पूजन किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुखभाई मंडाविया, केंद्रीय पशुपालन, मत्स्य पालन विभाग मंत्री श्री परषोत्तमभाई रूपाला, गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी, शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया, मुख्य दानदाता श्री जयंतीभाई बाबरिया, सरदार धाम के मुख्य सेवक श्री गगजीभाई सुतारिया एवं प्रमुख दानदाताओं के साथ सरदार धाम यूथ एसोसिएशन के इस प्रोजेक्ट का शास्त्रोक्त अनुष्ठान किया गया।

इस अवसर पर दानदाताओं द्वारा एक ही दिन में 68 करोड़ रुपये का दान देने की घोषणा की गयी, जिसमें मुख्य दानदाता श्री जयंतीभाई बाबरिया ने 11 करोड़ रुपये, फोरम्बेन वर्सानी (अफ्रीका) ने खेल परिसर के लिए 05 करोड़ रुपये और सैकड़ों का योगदान दिया. दानदाताओं ने 2 करोड़ रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक का योगदान दिया है। अगले 15 दिनों में 32 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड मिलेगा.

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुखभाई मंडाविया ने कहा कि श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज सूरत द्वारा वर्षों से विभिन्न सामाजिक गतिविधियां की जा रही हैं। दक्षिण गुजरात को कवर करने वाले सरदार धाम के माध्यम से युवा समाज और देश के भविष्य को आकार देंगे।

देश के प्रति सरदार साहब के योगदान को याद करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुजरात सरदार पटेल की विरासत को आगे बढ़ा रहा है. आपसी सहयोग और परिश्रम से आगे बढ़ना सरदार साहब का स्वभाव था, जिसे आगे बढ़ाते हुए सरदार पुत्रों ने च्राष्ट्र प्रथमज् के जीवन मंत्र को अपनाया है।

मंत्री ने पाटीदार समुदाय के नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि गुजरात में सरदारधाम और केलवानीधाम जैसी आधुनिक परियोजनाएं च्सौना साथ, सौना विकास और सौना विश्वासज् की अवधारणा को सार्थक बना रही हैं।

केंद्रीय पशुपालन, मत्स्य पालन विभाग मंत्री श्री परषोत्तमभाई रूपाला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत- 2047 का संकल्प लिया है, जिसमें सरदार धाम जैसी बेहतरीन शैक्षणिक परियोजनाएं विकसित भारत की यात्रा को पूरक और बढ़ावा देंगी। समाज के नेताओं ने शिक्षा के इस यज्ञ में खुले हाथों से दान देकर समाज का ऋण चुकाया है। उन्होंने समाज के सर्वश्रेष्ठ लोगों की पहल के लिए सभी को बधाई दी जिन्होंने शैक्षणिक प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए एक उत्कृष्ट प्रणाली बनाने के लिए कदम उठाए।

उन्होंने विश्वास जताया कि सुशिक्षित युवा आने वाले दिनों में देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के केंद्र सरकार के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष सांघवी ने सरदार धाम के निर्माण पर बधाई देते हुए कहा कि पाटीदार समाज के मोभी मेहनत से अर्जित पूंजी का सही उपयोग कर रहे हैं। सामाजिक उत्थान के लिए सरकार के प्रयासों में, सरदार धाम के ट्रस्टियों ने युवाओं को सही दिशा देने, उनके उज्ज्वल भविष्य को आकार देने का बीड़ा उठाया है।

सरदारधाम के अध्यक्ष गगजीभाई सुतारिया ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि अखंड भारत के निर्माता, लौह पुरुष, युप्पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन के उच्च आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए पांच मिशन 2026 के रोडमैप के अनुसार निर्धारित लक्ष्य, सरदारधाम इंस्टीट्यूट हॉस्टल प्रोजेक्ट्स, जीपीएससी/ यूपीएससी सिविल सर्विस सेंटर, जीपीबीओ, जीपीबीएस और युवा संगठन के माध्यम से सभी पाटीदार एकता के माध्यम से युवा शक्ति के उज्ज्वल भविष्य और समग्र विकास के लिए काम कर रहे हैं। समाज। सरदारधाम परिणामोन्मुख कार्य कर रहा है।

निकट भविष्य में सूरत में 1000 करोड़ रुपये की लागत से सरदार धाम विश्वविद्यालय का निर्माण किया जाएगा, गगजीभाई ने कहा, सामुदायिक निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की अवधारणा को साकार करने के लिए, उचित योग्यता, सकारात्मक दृष्टिकोण और प्रतिभा वाले युवाओं को वंचित नहीं किया जाना चाहिए। पैसे और सुविधाओं की कमी के कारण शिक्षा की कमी और समाज की नई पीढ़ी भारतीय हो, इस संकल्प के साथ दक्षिण गुजरात के युवाओं के लिए वापी से तापी तक एक अत्याधुनिक सरदार धाम अगले 1000 दिनों में बनाया जाएगा। सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप संस्कृति के साथ सस्ती शिक्षा प्रदान करना।

युवाओं की शिक्षा, दीक्षा और विकास की भूमि सरदारधाम के भूमि पूजन के अवसर पर विधायक सर्वश्री विनोदभाई मोर्डिया, जीतूभाई वाघाणी, कांति बलार, महापौर दक्षेश मवाणी, सरदारधाम-सूरत के अध्यक्ष श्री जयंतीभाई नरोला (एसआरके ग्रुप), उद्योगपति एवं सामाजिक नेता सर्वश्री गोविंदभाई ढोलकिया, लवजीभाई बादशाह, लालजीभाई पटेल, हंसराजभाई गोंदलिया, पद्मश्री मथुरभाई सवानी, पद्मश्री सवजीभाई ढोलकिया, विधायक, पाटीदार उद्योगपति, नेता, विदेश से आए अतिथि और दानदाता, सरदारधाम संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ASG EYE हॉस्पिटल और सौमित ग्रुप द्वारा आँखों की देखभाल को लेकर जागरूकता अभियान का शुभारम्भ

अभियान के दौरान ASG EYE अस्पताल की टीम विभिन्न सरकारी, अर्ध- सरकारी विभागों, कॉर्पोरिट कार्यालयों, हाउसिंग सोसाइटी, और गांवों में जाकर नेत्र जांच शिविरों एवं सेमिनारस के माध्यम से आयोजित करेगी जागरूकता कार्यक्रम

सूरत। आंखों की बीमारियों के निदान और बेहतरीन इलाज के लिए देशभर में मशहूर अस्पताल ASG EYE हॉस्पिटल और सूरत के जाने-माने औद्योगिक समूह सौमित ग्रुप ने सामाजिक जिम्मेदारी के तहत नेत्र रोगों से कैसे बचें और अपनी आँखों की देखभाल कैसे करें इसे लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

रविवार को सौमित ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर केतन ज़वेरी के कर कमलो द्वारा इस अभियान को लॉन्च किया गया है। इस अवसर पर ASG EYE हॉस्पिटल के डॉ. मिलाप वाघेला, डा. राघव रवानी, डॉ. सौरभ शाह एवं डॉ. शैलेन पटेल भी उपस्थित थे।

नेत्र जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी देते हुए ASG EYE हॉस्पिटल के प्रबंधन ने कहा कि अभियान का लक्ष्य वर्ष 2024 में 20,000 लोगो को नेत्र सम्बन्धी गंभीर बीमारियों जैसे डायबिटिक रेटिनोपैथी, पुतली के रोग, ग्लूकोमा, मोतियाबिंद आदि के लिए जागरूक करना है।

ASG EYE हॉस्पिटल नेत्र रोग के निदान और श्रेष्ठ उपचार के लिए देश भर में जाना जाता है। देशभर में इसके 170 अस्पताल हैं जिनमे आँखों से जुडी सभी गंभीर बीमारियों का इलाज़ किया जाता है! ASG EYE हॉस्पिटल पिछले पांच साल से सूरत में भी सेवाएं दे रहा है।

सौमित ग्रुप सूरत का एक बड़ा और विख्यात औद्योगिक ग्रुप है, जिसकी स्थापना 1963 में हुई थी। ASG EYE हॉस्पिटल और सौमित ग्रुप ने 4 फरवरी से नेत्र जागरूकता अभियान शुरू किया है और यह अभियान पूरे साल चलेगा। इस अभियान के तहत ASG EYE हॉस्पिटल एवं सौमित ग्रुप द्वारा विभिन्न नेत्र जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विशेष कर सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, कॉरपोरेट दफ्तरों, स्कूल-कॉलेजों, औद्योगिक गृहों, एनजीओ और गांवों में जाकर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नेत्र रोग से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया जाएगा।

वांकल गांव में भारत सरकार की 10,000 एफपीओ योजना के तहत निर्मित समरसकृषि फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के कृषि-इनपुट केंद्र का उद्घाटन हुआ

सूरत । जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) ने वांकल में राष्ट्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और इफको किसान कंपनी लिमिटेड के सहयोग से भारत सरकार की 10,000 एफपीओ योजना के तहत समरसकृष्णि फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के कृषि-इनपुट केंद्र का उद्घाटन किया। सूरत जिले के मंगरोल तालुका का गाँव।) नाबार्ड सूरत श्रीकुंतलबेन सुरती द्वारा किया गया था।

इस मौके पर 200 से ज्यादा लोग मौजूद थे. अध्यक्ष श्री शामजीभाई चौधरी द्वारा मौखिक स्वागत किया गया। कुंतलबेन सुरती, डीडीएम नाबार्ड ने एफपीओ को नाबार्ड और भारत सरकार द्वारा प्राप्त लाभों के बारे में बताया। इफको किसान के सहायक प्रबंधक हैप्पी भाई सपरिया ने एफपीओ को सीबीबीओ इफको किसान द्वारा प्राप्त समर्थन के बारे में जानकारी दी और इफको किसान के क्षेत्रीय प्रबंधक देवेंद्रभाई ने एफपीओ और इसकी उपयोगिता और समरसकृष्णि फार्मर्स कंपनी द्वारा किए गए कार्यों और निकट भविष्य में किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर इफको किसान समजिरी लिमिटेड कंपनी लिमिटेड के सहायक प्रबंधक श्री हैप्पीभाई सपरिया और जोनल मैनेजर श्री देवेन्द्रभाई शर्मा, सूरत जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के महाप्रबंधक श्री जयेशभाई देसाई और सरकारश्री के विभिन्न विभागों के अधिकारी और विभिन्न कंपनियों के अधिकारी, समरसकृष्णि फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, उपाध्यक्ष श्री रमेशभाई चौधरी और निदेशक मंडल श्री दीपकभाई चौधरी, ललिताबेन चौधरी, उमेशभाई चौधरी, कनुभाई चौधरी, खुमानसिंह वाशवा, मोतीरामभाई चौधरी, सुरेशभाई चौधरी, सुमाभाई चौधरी और समरसकृषि फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ आईपीएस सिंह चौधरी और अकाउंटेंट चुन्नीलाल चौधरी और समरसकृषि फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सदस्य उपस्थित थे। समरसकृष्णि फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा किसानों को सस्ते दामों पर दवा, खाद बीज उपलब्ध कराया जाएगा।

ओला देश में इलेक्ट्रिफ़िकेशन को बड़ा प्रोत्साहन देकर ईवी अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए तैयार है

बेंगलुरु। भारत में इलेक्ट्रिफ़िकेशन को प्रोत्साहन देकर टू व्हीलर का विस्तार करने की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए ओला इलेक्ट्रिक ने आज शक्तिशाली 6kW मोटर और 190 किलोमीटर की लंबी रेंज के साथ S1 X 4kWh लॉन्च किया है। ऑल न्यू S1 X 4kWh की कीमत 1,09,999 रुपये है और इसकी डिलीवरी अप्रैल 2024 से शुरू की जाएगी। कंपनी ने बैटरी को लेकर ग्राहकों की चिंताओं और ईवी अपनाने में आने वाली सबसे बड़ी बाधा को दूर करते हुए उद्योग में पहली बार अपने सभी उत्पादों पर 8 साल या 80,000 किमी तक की एक्सटेंडेड बैटरी वारंटी की घोषणा भी की है।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के संस्थापक, चेयरमैन एवं एमडी, भाविश अग्रवाल ने कहा: "उत्पादों, सेवाओं, चार्जिंग नेटवर्क और बैटरी वारंटी को लेकर हमारे नए प्रयास देश में ईवी को अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने की ओर एक बड़ी पहल हैं। ऑल न्यू S1 X 4kWh बहुत किफ़ायती क़ीमत में 190 किलोमीटर की बढ़ी हुई रेंज के साथ एक अत्यधिक आकर्षक मूल्य प्रस्ताव है। बिना किसी अतिरिक्त लागत के हमारी 8 साल की एक्सटेंडेड बैटरी वारंटी तथा भारत में हमारे सर्विस और चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार ईवी उद्योग में नए मानक स्थापित करेंगे और हमारे ग्राहकों के लिए वाहन-स्वामित्व के अनुभव में सुधार लाएंगे। इन अभियानों की मदद से हम टू व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर कर रहे हैं, और हमें विश्वास है कि इससे देश में ईवी को अपनाने में तेजी आएगी।"

हमारी कंपनी अपनी अनुसंधान एवं विकास, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी क्षमताओं के साथ निरंतर इनोवेट करते हुए ईवी को बड़े जनसमूह तक पहुँचाती रहेगी।"

S1 X 4kWh के साथ #EndICEAge: अविश्वसनीय रेंज, सबसे किफ़ायती कीमत

नई S1 X 4kWh की आईडीसी रेंज 190 किलोमीटर है। यह केवल 3.3 सेकंड में 0-40 किमी/घंटा की रफ्तार तक पहुँचकर 90 किमी/घंटा की सर्वोच्च गति के साथ चल सकता है। इस स्कूटर में एक शक्तिशाली 6kW की मोटर लगी है, जो बहुत तेज परफ़ॉर्मेंस के साथ शानदार राइड क्वालिटी प्रदान करती है। S1 X 4kWh की कीमत बहुत किफ़ायती होकर पेट्रोल के टू व्हीलर्स के बराबर है, और यह ग्राहकों की विभिन्न जरूरतों को पूरा कर सकता है। सङ्क रेड वेलोसिटी, मिडनाइट, वोग, स्टेलर, फंक, पोर्सिलेन व्हाइट और लिक्विड सिल्वर में उपलब्ध है।

गुजरात झालावाड की भूमि लिंबडी से कथाधारा के साथ प्रवाहित हुआ निम्बार्काचार्य जी मंदिर का पुन:प्रतिष्ठा महोत्सव और 1111 कूंडी महा विष्णयाग

सौराष्ट्र निम्बार्कधाम मोटा मंदिर के पुनःप्राणप्रतिष्ठान के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी,आचार्य विनोबा जी और मीरॉंबाइ की चरणधूलि से विभूषित ये भूमि पर महामंडलेश्वर महंत ललितकिशोरशरण महाराज के सानिध्य में प.पू.1008 श्री पंथश्री हूझूर अर्धनाम साहेब-आचार्य कबीरपंथ-काशी,महंत कनीराम बापु(दूधरेज-वडवाला),महंत दुर्गादास जी(लालजी महाराज मंदिर-सायला),शिवराम साहेब(कबीर आश्रम-मोरबी),कंदर्मजुषी(भागवत विद्यापीठ-सोला),निर्मळाबा(विसामण बापु जगह-पाळियाद),चरणदास जी(कबीर आश्रम-लिंबडी),ठाकोर जयदीप झाला(लिंबडी स्टेट),भरतभाइ झवेरी,नंदकिशोरभाइ के कर कमलों से दीप प्रागट्य हुआ।।

संतो ने अपने शब्द भाव रखें।।

अतिशय प्रीति देखी रघुबीरा।
प्रगटे रिदय हरन भव पीरा।।
मुनिही राम बहु भांति जगावा।
जाग न ध्यान जनित सुख पावा।।
भुवन रूप तब राम दुरावा।
रिदय चतुरभुज रूप दिखावा।।

इन्हीं बी पंक्तियों से कथा के आरंभ में बापू ने कहा कि तीसरी बार रामकथा लेकर आने का विशेष सौभाग्य है।। हमारी प्रवाही और पवित्र परंपरा का यह बड़ा धाम है।।बापू ने कहा मोटा बापू की चेतना को प्रणाम।। सभी संत महंत और निमित्त मात्र मनोरथियों को भी प्रणाम और साधुवाद कहते हुए बापू ने कहा कि एक युवा साधु ने खेल-खेल में इतना बड़ा आयोजन किया!

अभी ही अयोध्या के राममंदिर के दर्शन के बाद सनातन धर्म के एक मंदिर और तीसरा यह चतुर्भुज मंदिर का दर्शन और हाजिर रहने का सौभाग्य मिला है।। पहले सोचा था कि हमारी निंबार्की परंपरा की दशश्लोकी पर कथा गान करुं। फिर मानस चतुर्भुज पर कथा गाने का तय किया है।।

रामचरितमानस में चतुर्भुज शब्द एक बार ही मिलता है। चतुर्भुज नारायण एक ही होता है अनेक नहीं होते। जो परम विष्णु है, महा विष्णु है वही चतुर्भुज विग्रह है।।अरण्य कांड के नवमें दोहे में यह शब्द मिलता है।।जब सुतिक्ष्ण महाराज के प्रसंग में सुतीक्ष्ण के अति से प्रेम को देखकर भगवान हृदय में प्रकट होते हैं और राम को प्रकट देखकर सुतीक्ष्ण लिन हो गए।। राम जगाने की कोशिश करते हैं।। लेकिन ध्यान जनित सुख से वह जाग नहीं रहे। प्रभु ने युक्ति की हृदय से राम रूप हटाकर चतुर्भुज रूप प्रकट किया।।व्याकूल होकर सुतिक्ष्ण ने आंख खोली तो सामने ही राम खड़े थे।।

रामचरितमानस के सातों सोपान में किसी न किसी सकेत से चतुर्भुज विग्रह गुप्त या प्रगट रूप से दिखता है। हरि शब्द दिखे वह परम नारायण परम विष्णु चतुर्भुज ही है।। बालकांड राम जन्म के प्रसंग में निज आयुध भुज चारि-चतुर्भुज है।। अयोध्या कांड में रघुकुल के इष्ट देव श्री रंग देव भी चतुर्भुज है लंका कांड में लंका के इष्ट देव नृसिंह प्रभु वह भी चतुर्भुज है।अरण्य कांड की यह पंक्ति है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)